Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
# साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 202 पृष्ठ : 8 मूल्य: 1:00 रायपुर, बुधवार 05 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

### प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'दिव्यांग' शब्द देकर सम्मान और आत्मगौरव का नया भाव दिया : मुख्यमंत्री

# दिव्यांगजनों के सम्मान और सशक्तीकरण के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

**रायपुर।** किसी भी संवेदनशील और विकसित समाज की पहचान इस बात से होती है कि वहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, सम्मान और आगे बढ़ने का अधिकार मिले। दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उनकी प्रतिभा, क्षमता तथा आत्मविश्वास को सही अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार इसी सोच के साथ दिव्यांगजनों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक अपना योगदान दे सकें।

यह बात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रोजेक्ट 'सहारा' के अंतर्गत दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिव्यांगजनों के प्रति देश की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने केवल कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार ही नहीं किया, बल्कि उन्हें 'दिव्यांग' कहकर सम्मान और आत्मगौरव का नया भाव भी दिया। यह बदलाव केवल शब्दों का नहीं, बल्कि समाज की सोच और दृष्टिकोण का परिवर्तन है। प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार भी दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम के जीर्णोद्धार, मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के लिए 7 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना का विकास केवल खिलाड़ियों के लिए ही नहीं, बल्कि ऐसे सामाजिक और जनहितकारी आयोजनों के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, कृत्रिम हाथ-पैर, वैशाखी, वॉकिंग स्टिक सहित अन्य आधुनिक सहायक उपकरण वितरित किए। उन्होंने हितग्राहियों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि ये उपकरण केवल सहायता सामग्री नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की नई शुरुआत हैं। इनके माध्यम से दिव्यांगजन शिक्षा, रोजगार, आवागमन और दैनिक जीवन के कार्यों में अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे। मुख्यमंत्री ने सावन माह के प्रथम सोमवार की शुभकामनाएं देते हुए भगवान भोलेनाथ से प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और सभी नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सेवा, करुणा और मानवता का संदेश देती है तथा समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना हम सभी का दायित्व है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि रायपुर जिले में विशेष अभियान चलाकर 1600 से अधिक दिव्यांगजनों की पहचान की गई। इस महत्वाकांक्षी पहल के लिए भारत सरकार से 3 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत पहले ही 500 से 600 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए जा चुके हैं, जबकि इस कार्यक्रम में 1000 से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न उपकरण दिए गए। इस प्रकार कुल 1739 दिव्यांगजन प्रोजेक्ट 'सहारा' से लाभान्वित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास के लिए सहायक उपकरण वितरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, शिक्षा एवं रोजगार में आरक्षण, कौशल विकास, पुनर्वास तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है।

**SHORT NEWS**

## छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री ने श्री सत्य साई ग्राम का किया दौरा

**रायपुर।** कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम रविवार को श्री सत्य साई ग्राम, मुद्देनहल्ली, चिक्कबल्लापुर (कर्नाटक) का दौरा किया। मंत्री नेताम ने अपने प्रवास के दौरान सद्गुरु मधुसूदन साई जी, जो वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के संस्थापक एवं वैश्विक मानवतावादी हैं, से भेंट की। सद्गुरु श्री मधुसूदन साई जी 100 से अधिक देशों में पोषण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नि:स्वार्थ सेवा और आध्यात्मिकता पर आधारित वैश्विक जनकल्याण अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं।

## ग्रामीण उद्यमिता का मार्ग है संभागीय सरस मेला : विजय शर्मा

**रायपुर।** कबीरधाम जिले के भोरमदेव मंदिर चौरा में आयोजित पांच दिवसीय संभागीय सरस मेला का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि संभागीय सरस मेला से ग्रामीण महिलाओं के स्वरोजगार को एक नई दिशा मिलती है तथा यह आयोजन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होता है।

सरस मेला में स्वदेशी, प्राकृतिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की भव्य प्रदर्शनी सह विक्रय हेतु संभागीय सरस मेला समूह की दीदियों के लिए सफलता के द्वार खोलेगा। संभागीय सरस मेला के उद्घाटन के दौरान अध्यक्ष छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग बिसेसर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, वीरेंद्र साहू, लोकचंद साहू,संतोष पटेल, विदेशी राम धुर्वे, कलेक्टर गोपाल वर्मा, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक जिले के अधिकारी गण, स्व सहायता समूह की दीदियों सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

मेले में लगे स्टालों का उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अवलोकन किया तथा महिला समूह से उनके उत्पादन के विषय में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान स्टॉल से खरीदी कर महिला समूह का हौसला बढ़ाया तथा उन्हें सफल व्यवसाय की शुभकामनाएं दी। संभागीय सरस मेला के संबंध में कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि मेले का आयोजन सावन माह में किया गया है जो 06 अगस्त की शाम तक चलेगा।

## ज्ञानेश्वरी की सफलता से राज्य के युवा लेंगे प्रेरणा, खेलों के लिए तैयार होगा अच्छा वातावरण : अरुण साव

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में देश के लिए रजत पदक जीतने वाली राजनांदगांव की युवा खिलाड़ी ज्ञानेश्वरी यादव को सम्मानित किया। उन्होंने नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में उनके माता-पिता को भी सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री साव और ज्ञानेश्वरी ने इस दौरान प्रेस-कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संयुक्त संचालक प्रभाकर पाण्डेय और उप संचालक रश्मि ठाकुर सहित भारोत्तोलन संघ के पदाधिकारी एवं विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ी भी इस दौरान मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में कहा कि आज ऐतिहासिक और गौरव का पल है। हम छत्तीसगढ़ और भारत की बेटी ज्ञानेश्वरी का अभिनंदन कर रहे हैं, जिन्होंने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतकर छत्तीसगढ़ और भारत का नाम रोशन किया है। ज्ञानेश्वरी की इस उपलब्धि से खेलों के लिए एक नए वातावरण की शुरुआत छत्तीसगढ़ में होगी। मैं उनके पिता दीपक यादव और माता दुर्गा यादव का भी हार्दिक अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने ऐसी होनहार बेटी को जन्म दिया जिन्होंने दुनिया में भारत और छत्तीसगढ़ को प्रतिष्ठा दिलाई।

## देश की प्रगति के केंद्र में युवा, स्किल और नवाचार : मंत्री ओपी चौधरी

**रायपुर।** प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि विकसित भारत का सपना युवाओं की प्रतिभा, कौशल और नवाचार की शक्ति से ही साकार होगा। उन्होंने कहा कि आज का युग ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का है, जहाँ केवल डिग्री नहीं, बल्कि सीखने की क्षमता, व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और स्किल सफलता की वास्तविक पहचान हैं।

मंत्री श्री चौधरी आज भिलाई स्थित **Rungta International Skills University** द्वारा आयोजित **Vidyarambh w.® Orientation** कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रसिद्ध उद्यमी, कंटेंट क्रिएटर एवं लेखक अंकुर वारिकू, रुंगटा समूह के अध्यक्ष श्री संतोष रुंगटा सहित शिक्षाविद, उद्योग जगत के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और नवाचार आधारित नीतियों ने देश के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसर उपलब्ध कराए हैं। आने वाला समय जेन-जी का है और यही पीढ़ी विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

मंत्री चौधरी ने अपने जीवन के संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि रायगढ़ जिले के छोटे से गांव बायंग से लेकर भारतीय प्रशासनिक सेवा और फिर सार्वजनिक जीवन तक का उनका सफर इस बात का प्रमाण है कि सीमित संसाधन कभी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनते। उन्होंने बताया कि बचपन में पिता के निधन के बाद कठिन परिस्थितियों में उनकी माता ने उन्हें बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस दिया। उन्होंने कहा कि बचपन में अपनी माता की पेंशन संबंधी समस्या के समाधान के लिए कलेक्टर कार्यालय जाने का अनुभव उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट बना। उसी दिन उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाने का संकल्प लिया और स्वाध्याय, अनुशासन तथा निरंतर प्रयास के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। वित्त मंत्री ने कहा कि आज की शिक्षा व्यवस्था में केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है। युवाओं को अपने भीतर नई-नई स्किल विकसित करनी होगी, बदलते समय के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा और जीवनभर सीखने की आदत विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन, राजनीति, आधुनिक कृषि और निवेश जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में मिली सफलता का आधार निरंतर सीखना और स्वयं को समय के साथ विकसित करना रहा है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि कठिनाइयों को कभी अभिशाप न समझें। संघर्ष ही व्यक्ति को मजबूत बनाता है और बड़े लक्ष्य प्राप्त करने की क्षमता देता है। सफलता उन्हीं लोगों को मिलती है जो चुनौतियों का सामना सकारात्मक सोच के साथ करते हैं।

मंत्री चौधरी ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों की तुलना दूसरों से न करें, बल्कि उनकी मौलिक प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दें। उन्होंने कहा कि दुनिया में असाधारण सफलता उन्हीं लोगों ने प्राप्त की है जिन्होंने पारंपरिक सोच से अलग हटकर नवाचार और रचनात्मकता का मार्ग चुना।

कार्यक्रम के अंत में वित्त मंत्री ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि यदि वे ज्ञान, कौशल, नवाचार और सकारात्मक सोच को अपनी ताकत बनाएंगे तो न केवल अपना भविष्य उज्ज्वल करेंगे, बल्कि विकसित भारत के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

## ब्रह्माकुमारीज़, अंबिकापुर में 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान' के कार्यक्रम में पर्यटन, मंत्री राजेश अग्रवाल हुए शामिल

**रायपुर।** ब्रह्माकुमारीज़, अंबिकापुर द्वारा आयोजित 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान' कार्यक्रम में पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सहभागिता करते हुए युवाओं से नशामुक्त, अनुशासित और संस्कारयुक्त जीवन अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का सबसे मजबूत आधार स्वस्थ, जागरूक, चरित्रवान और आत्मविश्वासी युवा है। जब युवा सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ेंगे, तभी विकसित भारत का संकल्प साकार होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान' केवल नशे के विरुद्ध जनजागरण का अभियान नहीं, बल्कि देश के भविष्य को सशक्त बनाने का राष्ट्रीय आंदोलन है।

# मंत्री राजेश अग्रवाल ने जनदर्शन में सुनीं आमजन की समस्याएं

अम्बिकापुर। प्रदेश में सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर स्थित अपने निज निवास पर आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे आम नागरिकों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने लोगों की समस्याओं, मांगों और सुझावों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन के दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं नगरीय क्षेत्रों से आए नागरिकों ने पेयजल, सड़क, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पर्यटन विकास, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर अपनी समस्याएं एवं मांगें मंत्री अग्रवाल के समक्ष रखीं। मंत्री अग्रवाल ने प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति की समस्या का समय पर समाधान हो। जनदर्शन आम नागरिकों और शासन के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम है। हमारी प्राथमिकता है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक भटकना न पड़े और उन्हें त्वरित, पारदर्शी तथा संवेदनशील प्रशासन मिले।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। इसी भावना के अनुरूप जनप्रतिनिधि और प्रशासन आम नागरिकों के बीच निरंतर संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्य करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

## नासिक में आधुनिक कृषि का प्रशिक्षण लेकर लौटे जशपुर के अफसर व FPO दल

**जशपुरनगर।** जशपुर जिले में किसानों की आय में वृद्धि, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन तथा आधुनिक फसलोपरांत प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 28 जुलाई 2026 को कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ह्क्ररू) एवं जिले के विभिन्न किसान उत्पादक संगठनों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने महाराष्ट्र के सह्याद्री फार्म्स, नासिक का एक दिवसीय अध्ययन एवं प्रशिक्षण भ्रमण किया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के शहीदांड में प्रस्तावित इंटीग्रेटेड पैक हाउस के सफल संचालन के लिए देश के अग्रणी किसान-स्वामित्व वाले कृषि एवं प्रसंस्करण मॉडल का अध्ययन करना था। भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सह्याद्री फार्म्स के सफल एफपीओ मॉडल, किसान सहभागिता, गुणवत्ता नियंत्रण, निर्यात प्रणाली तथा आधुनिक कृषि व्यवसाय प्रबंधन का विस्तृत अध्ययन किया। अधिकारियों ने जाना कि किस प्रकार किसानों के संगठन को मजबूत बनाकर उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन की संपूर्ण श्रृंखला विकसित की गई है, जिससे हजारों किसानों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ा गया है। टीम ने एफपीओ की संरचना, पेशेवर प्रबंधन, बाजार आधारित उत्पादन प्रणाली तथा किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने की कार्यप्रणाली को निकट से समझा।

## नवोदय विद्यालय में कक्षा छठवीं में प्रवेश लिए ऑनलाइन आवेदन अब 7 अगस्त तक

**नारायणपुर।** जवाहर नवोदय विद्यालय समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2027 के अंतर्गत कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब पात्र विद्यार्थी 07 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इससे उन विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को अतिरिक्त अवसर मिलेगा, जो किसी कारणवश निर्धारित समय-सीमा में आवेदन नहीं कर सके थे। जवाहर नवोदय विद्यालय समिति द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2027-28 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया जारी है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक समिति की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से नि:शुल्क आवेदन कर सकते हैं। समिति ने अभ्यर्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करें, ताकि तकनीकी कारणों से होने वाली किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

### सावन के प्रथम सोमवार भूतेश्वरनाथ धाम में उमड़ा आस्था का महासागर

# 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंजा वनांचल, भक्तों ने किया जलाभिषेक

गरियाबंद। देवों के देव महादेव को समर्पित पावन सावन मास के प्रथम सोमवार पर छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिला मुख्यालय से लगभग तीन किलोमीटर दूर मरौदा के घने वनांचल में स्थित विश्व प्रसिद्ध स्वयंभू भूतेश्वरनाथ (भकुर्रा महादेव) धाम में आस्था, श्रद्धा और सनातन परंपरा का अनुपम संगम देखने को मिला। ब्रह्ममुहूर्त से ही मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव', 'बम-बम भोले' और '? नम: शिवाय' के गगनभेदी जयघोष से गुंजायमान रहा। हजारों शिवभक्त, कांवड़िए, साधु-संत, महिलाएं, युवा और परिवारजन भगवान भोलेनाथ के दिव्य स्वरूप का जलाभिषेक करने के लिए लंबी कतारों में खड़े दिखाई दिए।

श्रद्धालुओं ने गंगाजल, पवित्र जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प, चंदन और अक्षत अर्पित कर भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, संतान सुख, वैभव और समस्त मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। मान्यता है कि सावन के प्रथम सोमवार को सच्ची श्रद्धा और निष्काम भाव से भगवान शिव का जलाभिषेक करने वाले भक्तों पर महादेव की विशेष कृपा बरसती है और उनके सभी कष्ट दूर होकर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

विश्व प्रसिद्ध भूतेश्वरनाथ धाम का प्राकृतिक स्वयंभू शिवलिंग अपनी अद्भुत विशेषताओं के कारण देश-विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह शिवलिंग स्वयं प्रकट हुआ है और इसकी लंबाई तथा गोलाई प्रत्येक वर्ष बढ़ती रहती है। श्रद्धालु इसे भगवान शिव के अर्धनारीश्वर स्वरूप का दिव्य प्रतीक मानकर पूजते हैं। यही कारण है कि सावन मास और महाशिवरात्रि के दौरान यहां लाखों श्रद्धालु दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं।

इसी पावन अवसर पर समाजसेवी प्रकाश सोनी अपनी धर्मपत्नी समीक्षा सोनी के साथ भूतेश्वरनाथ धाम पहुंचे। दोनों ने पूरे विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक कर प्रदेश, समाज और समस्त मानव जाति के कल्याण की कामना की। प्रकाश सोनी ने कहा, 'हमारे परिवार की वर्षों पुरानी आस्था है कि सावन की शुरुआत भगवान भूतेश्वरनाथ के दर्शन और जलाभिषेक से ही होती है। भोलेनाथ की असीम कृपा से परिवार पर सदैव सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। बाबा भूतेश्वरनाथ सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करें, प्रदेश में सुख-शांति और खुशहाली बनी रहे, यही हमारी प्रार्थना है।'

समीक्षा सोनी ने कहा, 'सावन का प्रत्येक सोमवार शिवभक्ति का अनुपम पर्व है। भूतेश्वरनाथ धाम में दर्शन और जलाभिषेक करने से मन को अद्भुत शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है। बाबा भोलेनाथ की कृपा सभी श्रद्धालुओं पर बनी रहे, हर घर में सुख-समृद्धि आए और सबकी मनोकामनाएं पूर्ण हों, यही हमारी मंगलकामना है।'

## आजीविका विकास पर विशेष जोर : कलेक्टर की समीक्षा बैठक में दिए गए अहम निर्देश

धमतरी। जिले में आजीविका के अवसरों का विस्तार, स्वरोजगार को बढ़ावा तथा हितग्राही-केंद्रित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा के उद्देश्य से आज गंगरेल विश्राम गृह में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक का मुख्य विषय 'जीविका' पर हुई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित आजीविका एवं रोजगारोन्मुखी योजनाओं की प्रगति, उपलब्धियों, नवाचारों तथा सफल हितग्राहियों के प्रेरक उदाहरणों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया।

कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का अंतिम उद्देश्य पात्र हितग्राहियों की आय में वृद्धि, आत्मनिर्भरता तथा स्थायी आजीविका सुनिश्चित करना है। इसके लिए विभागों के मध्य प्रभावी अभिसरण, समन्वय तथा नवाचार आधारित कार्यप्रणाली अपनाई जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें।

बैठक में उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से विकासखंडों में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्व-सहायता समूहों, ग्रामीण उद्यमिता, आजीविका गतिविधियों तथा आजीविका संवर्धन के लिए किए जा रहे नवाचारों एवं उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी ली।

## नशे के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के दिए निर्देश

**धमतरी।** जिले में नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई, सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने, नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नारको को-ऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी), सड़क सुरक्षा, नशा मुक्त भारत अभियान, तथा नवीन कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक भावना पाण्डेय सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों एवं सुझावों पर हुई प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि जिले में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत किया जाए तथा जिला प्रशासन एवं पुलिस के बीच सतत समन्वय बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं का भविष्य सुरक्षित रखना शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। नशे के विरुद्ध चलाया जा रहा अभियान केवल प्रशासन का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अभियान है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब तक हुई कार्रवाई संतोषजनक अवश्य है, लेकिन इसे और अधिक व्यापक, सतत एवं परिणाममूलक बनाने की आवश्यकता है।

## नशे में स्कूल पहुँचने वाले शिक्षकों को भेजा जाएगा नशा मुक्ति केंद्र, कलेक्टर का कड़ा रुख

**जशपुरनगर।** कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनकॉर्ड) की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पाटनवार, सभी एसडीएम, एसडीओपी सहित स्वास्थ्य, आबकारी, पुलिस, यातायात, परिवहन, शिक्षा एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले में नशे की रोकथाम, अवैध मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण तथा जनजागरूकता गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की।

कलेक्टर व्यास ने कोटपा एक्ट एवं एनडीपीएस एक्ट के तहत अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए संबंधित विभागों को अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि विद्यालयों में यदि कोई शिक्षक नशे की हालत में उपस्थित होता है तो उसकी जानकारी तत्काल संकलित कर आवश्यक कार्रवाई करें तथा ऐसे शिक्षकों को उपचार हेतु नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विद्यालयों के 100 मीटर के दायरे में गुटखा, सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर ऐसे मामलों में नियमानुसार जप्ती एवं वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर व्यास ने नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मिडिल स्कूल से लेकर हायर सेकेंड्री स्कूल तक के विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने तथा विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाने के निर्देश समाज कल्याण विभाग को दिए। बैठक में उन्होंने बिना लाइसेंस संचालित फार्मेसी स्टोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

## आंगनबाड़ी, आवास, स्वच्छता और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में लाएं प्रगति : कलेक्टर व्यास

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण तथा श्रम विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति, निर्माण कार्यों, सामाजिक सुरक्षा, स्वच्छता, श्रमिक पंजीयन तथा महिला एवं बाल विकास से जुड़े विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, सभी जनपद पंचायतों के सीईओ सहित महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण एवं श्रम विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ओडीएफ प्लस गांव एवं मॉडल ग्राम पंचायतों में नियमित कचरा संग्रहण की जानकारी ली। उन्होंने तरल अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता श्रमदान अभियान नियमित रूप से आयोजित करने को कहा। उन्होंने व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए पीएम जन मन, प्रधानमंत्री आवास तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के सभी आवासों में अनिवार्य रूप से शौचालय निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। थाना परिसरों एवं अन्य स्वीकृत सामुदायिक शौचालयों का निर्माण भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना, आवास प्लस, पीएम जन मन आवास एवं मुख्यमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रथम किस्त भुगतान एवं अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने हितग्राहियों को प्रेरित कर निर्माण कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। बैठक में वीबी-ग्रामजी योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों एवं मजदूरी भुगतान की स्थिति की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने सभी शासकीय कार्यालयों में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने तथा लगाए गए पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने स्वयं सहायता समूहों में नए सदस्यों के समावेशन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से पीवीटीजी परिवारों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने, नए पीवीटीजी समूहों का गठन करने तथा प्रत्येक पात्र परिवार को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए।

# हेलमेट-सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले शासकीय कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की हुई। बैठक में अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पाटनवार, सभी एसडीएम, एसडीओपी सहित स्वास्थ्य, आबकारी, पुलिस, यातायात, परिवहन, शिक्षा एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर रोहित व्यास ने सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु केवल जनहानि तक सीमित नहीं होती, बल्कि इससे परिवार, समाज और अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन सभी संबंधित विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम सुनिश्चित करें।

कलेक्टर व्यास ने सड़क दुर्घटना की स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देते हुए स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि जिले में संचालित 108 एम्बुलेंस सेवा 24म7 सक्रिय एवं उपलब्ध रहे, ताकि दुर्घटना की सूचना मिलते ही एम्बुलेंस तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को शीघ्र उपचार उपलब्ध करा सके। उन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। साथ ही सभी शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग कर कार्यालय आने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का पालन नहीं करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने सभी स्कूल बसों का फिटनेस परीक्षण कराने तथा स्कूल बस चालकों, क्लीनरों एवं हेल्परों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने परिवहन विभाग को ओवरलोडिंग एवं ओवरस्पीडिंग करने वाले वाहनों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़े वाहनों पर भी प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे खड़े वाहन दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनते हैं, इसलिए इस पर विशेष निगरानी रखी जाए। कलेक्टर व्यास ने जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट, दुर्घटनाजन्य एवं अति दुर्घटनाजन्य स्थलों पर किए गए सुधारात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने आरबीसी 6-4 के प्रकरणों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

# 'पॉलीटेक्निक में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ, 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर'

**नारायणपुर।** तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपना भविष्य संवारने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए शासकीय पॉलीटेक्निक नारायणपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु नियमित डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन पंजीयन कर प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। संस्थान में इस वर्ष कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की 30 सीटें, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की 15 सीटें तथा इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की 30 सीटें उपलब्ध हैं। इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल 75 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया के तहत 31 जुलाई प्रात: 10.00 बजे से 08 अगस्त रात्रि 11.59 बजे तक ऑनलाइन पंजीयन किया जा सकेगा। इसके पश्चात 12 अगस्त 2026 को शाम 5.00 बजे मेरिट सूची जारी की जाएगी। संस्था स्तर पर सीट आवंटन के लिए अभ्यर्थियों को 13 अगस्त प्रात: 10.00 बजे शासकीय पॉलीटेक्निक, नारायणपुर में उपस्थित होना अनिवार्य होगा। वहीं, आवंटित सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया 13 अगस्त अपराह्न 1.00 बजे से 14 अगस्त अपराह्न 1.00 बजे तक संपन्न की जाएगी।

प्रथम वर्ष में प्रवेश पी.पी.टी. परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर ऑनलाइन सीट आवंटन के माध्यम से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त पी.पी.टी. मेरिट के बाद रिक्त रहने वाली सीटों पर बस्तर संभाग के विद्यार्थियों को कक्षा 10वीं में विज्ञान एवं गणित विषय में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। बस्तर संभाग के विद्यार्थियों के लिए पी.पी.टी. मेरिट के आधार पर प्रवेश लेना अनिवार्य नहीं होगा।

# जमीनी स्तर से निखरेंगी खेल प्रतिभाएं : सरकार ने तैयार किया ग्रासरूट टैलेंट आइडेंटिफिकेशन का मास्टर प्लान

**जगदलपुर।** राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने प्रदेश के ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुँचाने के लिए एक बड़ी पहल की है। विभाग द्वारा राज्य के सभी जिला कलेक्टर्स को जारी दिशा-निर्देशों के परिपालन में जिलों में ग्रासरूट टैलेंट आइडेंटिफिकेशन अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

इसी कड़ी में जिला स्तर पर कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर होनहार खिलाड़ियों को चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि खेल के क्षेत्र में छुपी संभावनाओं को समय रहते सही मंच मिल सके।

इस विशेष रणनीति के तहत अब केवल खेल विभाग ही नहीं, बल्कि स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, और आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली विकासखंड और जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी संभावित एथलीटों की पहचान की जाएगी। मैदानी स्तर पर सही प्रतिभाओं का चयन सुनिश्चित करने के लिए अन्य विभागों द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में जिला खेल अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है।

इसके साथ ही पारदर्शी और निरंतर मॉनिटरिंग के लिए खेल अधिकारी प्रत्येक महीने आयोजित होने वाले खेल आयोजनों और उनसे चिन्हित किए गए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की विस्तृत रिपोर्ट खेल एवं युवा कल्याण संचालनालय को प्रेषित करेंगे। चयनित खिलाड़ियों को न केवल चिन्हित किया जाएगा, बल्कि उन्हें खेल एवं युवा कल्याण विभाग की आधुनिक प्रशिक्षण व्यवस्था, खेल अकादमियों और विभागीय आर्थिक प्रोत्साहन योजनाओं से जोड़कर उनके प्रदर्शन को निधारा जाएगा।

# गीदम ब्लॉक में नवीन आधार सेवा केंद्र (सीएससी) का शुभारंभ, नागरिकों को मिलेगी स्थानीय स्तर पर आधार सेवाओं की सुविधा

दन्तेवाड़ा । जिले के गीदम ब्लॉक में आज नवीन आधार सेवा केंद्र (सीएससी) का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गीदम जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष दिनेश कौशल एवं जनपद सदस्य मुन्नू राम कश्यप मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया तथा नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ आधार सेवाएं उपलब्ध कराने की पहल की सराहना की। इस अवसर पर सीएसी जिला प्रबंधक मिथलेश साहू ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से आधार सेवा केंद्र के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध हो सका, जिससे यह महत्वपूर्ण सुविधा स्थानीय नागरिकों तक पहुंचाई जा सकी। इसके साथ ही उन्होंने गीदम ब्लॉक के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अब आधार से संबंधित विभिन्न सेवाओं के लिए उन्हें दूरस्थ स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। नवीन आधार सेवा केंद्र के माध्यम से आधार नामांकन, संशोधन एवं अन्य आवश्यक सेवाएं अब गीदम ब्लॉक में ही आसानी से उपलब्ध होंगी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी।

# बैटरी चलित ट्राइसाइकिल ने विनय के आत्मनिर्भर सफर को दी नई रफ्तार

**कोंडागांव।** शासन की मंशानुरूप दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान करते हुए उनके जीवन को सुगम और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। ग्राम कोकोड़ी, जनपद पंचायत कोंडागांव निवासी विनय नेताम 60 प्रतिशत दिव्यांग हैं। बचपन में ही लगभग 5-6 वर्ष की आयु में उनके माता-पिता का निधन हो गया। इसके बाद उनका पालन-पोषण पहले उनकी दादी ने किया और वर्तमान में उनके चाचा-चाची उनका सहारा बने हुए हैं। विनय ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी। उन्होंने 10वीं कक्षा उत्तीर्ण की तथा 12वीं की परीक्षा ओपन स्कूल से दी। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उन्होंने जीविकोपार्जन के लिए कुछ करने की ठानी।

# तेन्दूपत्ता संग्रहण की नई पहल से अबुझमाड़ के 22 गांव हुए लाभान्वित

## सैकड़ों ग्रामीणों को मिला सीधा लाभ

नारायणपुर। जिला नारायणपुर में वर्ष 2026 के तेन्दूपत्ता संग्रहण सीजन में राज्य शासन की नई नीति और दूरदर्शी पहल के तहत पहली बार असीमांकित क्षेत्रों में भी नवीन तेन्दूपत्ता फड़ प्रारंभ किए गए। इससे अबुझमाड़ क्षेत्र के ग्रामीणों को अपने ही गांव के समीप तेन्दूपत्ता विक्रय करने का अवसर मिला और उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हुआ।

ग्रामीणों ने नवीन फड़ खोले जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें तेन्दूपत्ता संग्रहण के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ रहा है। शासन की यह पहल अंतिम व्यक्ति तक रोजगार और आर्थिक लाभ पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राज्य शासन की नवीन तेन्दूपत्ता संग्रहण नीति के तहत वर्ष 2026 में प्रति मानक बोरा 5,500 रुपये की दर निर्धारित की गई, जिससे ग्रामीणों में तेन्दूपत्ता संग्रहण के प्रति उत्साह और बढ़ा। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने वनमण्डल कार्यालय पहुंचकर अपने गांवों के समीप नवीन फड़ खोलने का अनुरोध किया था।

ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश पर अबुझमाड़ क्षेत्र में शीघ्र नवीन

तेन्दूपत्ता फड़ खोलने की प्रक्रिया शुरू की गई। वन विभाग द्वारा आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर प्रस्ताव छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को भेजा गया, जहां से अनुमति मिलने के बाद वर्ष 2026 के तेन्दूपत्ता सीजन में संग्रहण कार्य प्रारंभ किया गया। इस पहल के तहत कुल 10 नवीन तेन्दूपत्ता फड़ कलमानार, ओकपाड़, कुतुल, निरामेटा, कोडकानार, कानागांव, कच्चापाल, टेकानार, बांहकेर और रायनार में स्थापित किए गए। इन फड़ों के माध्यम से 22 गांवों के 365 संग्राहकों ने कुल 161.254 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया।

संग्रहित तेन्दूपत्ता के एवज में संग्राहकों को 8 लाख 86 हजार 897 रुपये की राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) प्रणाली के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में ऑनलाइन हस्तांतरित की गई। इससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली है और शासन की पारदर्शी भुगतान व्यवस्था पर उनका विश्वास भी बढ़ा है। इन नवीन फड़ों के अंतर्गत कलमानार, पिड़का, ब्रेहबेड़ा, कंदाड़ी, किशकाल, ओकपाड़, कुतुल, आलबेड़ा, निरामेटा, कोडकानार, कानागांव, कच्चापाल, ताड़ोकुर, टेकानार, नयापारा, मकसोली, हिकपुला, बांहकेर, झोरीगांव, रेंगाबेड़ा, कोकोड़ी तथा रायनार सहित कुल 22 गांवों के ग्रामीण लाभान्वित हुए हैं।

# समर्थन मूल्य पर धान खरीदी : किसानों के लिए एग्रीस्टेक और बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य

जगदलपुर। राज्य शासन की नीति के अनुरूप बस्तर जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के दौरान समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया को सुगम, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके तहत कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार इस वर्ष बस्तर जिले के सभी श्रेणी के किसानों के लिए एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। शासन का मुख्य उद्देश्य उपार्जन व्यवस्था को आधुनिक तकनीकों से जोड़कर वास्तविक और पात्र किसानों को शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ प्रदान करना है।

इस संबंध में जिले के कृषि उपार्जन केंद्रों में धान बेचने के इच्छुक सभी कृषक आगामी 31 अक्टूबर 2026 तक खाद्य विभाग की विभागीय वेबसाइट के ऑनलाइन सोसाइटी मॉड्यूल के माध्यम से अपना पंजीयन और खसरा संशोधन करा सकते हैं। इस वर्ष सबसे बड़ा बदलाव यह किया गया है कि कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित एग्रीस्टेक पोर्टल से फार्मर आईडी प्राप्त करना अनिवार्य होगा, जिससे किसानों को अलग से एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन कराने की दिक्कत से मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही धान उपार्जन केंद्रों पर बायोमेट्रिक आधारित खरीदी प्रणाली को भी निरंतर लागू रखा गया है, ताकि पारदर्शी प्रक्रिया के तहत वास्तविक किसान या उनका नामांकित प्रतिनिधि ही फसल का विक्रय कर सके।

किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रक्रिया में कई राहत भरे प्रावधान भी शामिल किए गए हैं। गत वर्ष (2025-26) में पंजीकृत ऐसे किसान जिनके पास किसान कोड और एग्रीस्टेक फार्मर आईडी उपलब्ध है, उन्हें पुन: नया पंजीयन कराने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि यदि किसी किसान द्वारा नई भूमि क्रय की गई है या नामांतरण, बटवारा व फौती के कारण रकबे में परिवर्तन हुआ है, तो वे अपनी समिति में जाकर खसरा नंबर का संशोधन करा सकेंगे। वहीं जो कृषक पहली बार पंजीयन करा रहे हैं, वे एग्रीस्टेक में पंजीयन के बाद अपनी संबंधित समिति में बैंक विवरण और भूमि का ब्योरा दर्ज करवाकर किसान कोड प्राप्त कर सकते हैं।

विशेष श्रेणी के कृषकों जैसे वन अधिकार पट्टाधारी, डूबान क्षेत्र के किसानों और संस्थागत कृषकों के लिए भी एग्रीस्टेक पंजीयन को आवश्यक बनाया गया है। इनके पारदर्शी सत्यापन के लिए संबंधित खसरे का जियो-टैगिंग (अक्षांश एवं देशांतर) दर्ज कर फॉर्म आईडी बनाई जाएगी।

# बस्तर मुन्ने पोर्टल : कलेक्टर ने की समीक्षा

**दन्तेवाड़ा।** कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव द्वारा आज जिला कार्यालय के डंकिनी सभाकक्ष में बस्तर मुन्ने अभियान के अंतर्गत पोर्टल एंट्री तथा सूचकांकों के संतृप्तिकरण की गहन समीक्षा किया गया। अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं के सेचुरेशन के संबंध में उन्होंने कहा कि समस्त विभाग अब तक बाकी बचे हुए पोर्टल एण्ट्री कार्य को प्राथमिकता से पूरा करें। चूंकि राज्य शासन द्वारा बस्तर मुन्ने अभियान की प्रगति की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। अत: इस संबंध में किसी भी प्रकार का विलंब स्वीकार्य नहीं होगा और यह निर्धारित लक्ष्य एवं प्रतिशत अनुसार ही पूर्ण किया जाना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो विभाग अपने लक्ष्य से पीछे चल रहे हैं वे उन विभागों से मार्गदर्शन लेवें जो अपने लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त कर चुके हैं उनसे समन्वय स्थापित करके ही अभियान के अंतर्गत लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकेगा।

# सफर में भटकी बिहार की महिला का मददगार बना सखी वन स्टॉप सेंटर

**दन्तेवाड़ा।** महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में सखी वन स्टॉप सेंटर आकस्मिक विपदा से जूझ रही महिलाओं के लिए वास्तव में मददगार साबित हो रही है। इसी कड़ी में बिहार राज्य के मुजफ्फरपुर जिले के देहात इलाके से भटकी हुई महिला का रेस्क्यू सखी वन स्ऑप सेंटर दन्तेवाड़ा द्वारा किया गया। यह महिला भटकती हुई किरन्दुल जिला दंतेवाड़ा पहुंच गई थी, जिसे सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा उनके पति को सुपूर्द किया गया। प्राप्त सूत्रों के अनुसार उक्त महिला सविता देवी पति-शिवशंकर, निवासी-काटी, ढेमहा, थाना-काटी, जिला-मुजफ्फरपुर मायके से ससुराल जाने के लिए मोतीपुर स्टेशन से ट्रेन में चढ़ी थी। परन्तु उक्त महिला में ट्रेन में ही सो गई और अंतत: एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन का सफर करते-करते हुए अंतिम में वह किरन्दुल दंतेवाडा में पहुंच गई। किरन्दुल स्टेशन से वह पैदल ही निकल गई तथा चलते-चलते भांसी तक भी पहुंच गई। जहां से कुछ लोगों द्वारा भांसी थाना में सूचना देने पर, थाना से आवेदिका को अस्थायी आश्रय हेतु सखी वन स्टॉप के सुपुर्द किया गया।

तत्पश्चात सखी सेंटर द्वारा कार्रवाई करते हुए मुजफ्फरपुर सखी वन स्टॉप सेंटर से संपर्क किया गया जहां से पुलिस थाना काटी का संपर्क नम्बर मिला, थाना काटी से संपर्क कर महिला के परिवार के बारे में पता लगाने हेतु महिला का फोटो एवं नाम पता भेजा गया और इस प्रकार 13 जुलाई को थाना काटी के द्वारा पतासाजी कर बताया गया कि महिला वहीं की रहने वाली है। साथ ही पुलिस विभाग द्वारा महिला के परिवार का संपर्क नंबर दिया गया।

# 'बिहान से जुड़कर जेलो बाई बनीं आत्मनिर्भर, हर माह 30 हजार रुपये तक कर रही हैं आय अर्जित

नारायणपुर । कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब सफलता की कहानियों के रूप में सामने आ रहा है। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी ग्राम पंचायत गरांजी की निवासी जेलो बाई की है, जिन्होंने स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन की दिशा बदल दी। जेलो बाई वर्ष 2016 में गठित जय मां शेरावली स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने से पूर्व उनका परिवार कृषि मजदूरी तथा उनके पति के सिलाई कार्य पर निर्भर था। सीमित आय के कारण परिवार का भरण-पोषण कठिनाई से हो पाता था और आर्थिक तंगी

के चलते भविष्य को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी।

बिहान योजना से जुड़ने के बाद जेलो बाई ने नियमित बचत, वित्तीय अनुशासन और समूह संचालन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। ग्राम संगठन एवं क्लस्टर संगठन के मार्गदर्शन से उन्होंने आजीविका गतिविधियों को बढ़ाने का निर्णय लिया। समूह के माध्यम से उन्हें पहले 15 हजार रुपये की चक्रीय निधि तथा बाद में 4 लाख रुपये का बैंक लिंकेज ऋण प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहयोग से उन्होंने किराना दुकान की शुरुआत की। व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित करने के बाद उन्होंने मछली पालन, कपड़ा सिलाई एवं कृषि कार्य को भी अपनी आय का माध्यम बनाया। निरंतर मेहनत, सही मार्गदर्शन और समूह की सामूहिक शक्ति के बल पर उनका व्यवसाय लगातार आगे बढ़ता गया। आज जेलो बाई विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है तथा वे आत्मनिर्भर जीवन जी रही हैं। जिसके लिए जेलो बाई ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद कहा है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण, स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में नई पहचान दिला रहा है। जेलो बाई की सफलता इस बात का सशक्त उदाहरण है कि सही मार्गदर्शन, सामूहिक प्रयास और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर ग्रामीण महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकती हैं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणास्रोत भी बन सकती हैं।

# मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

महासमुंद। जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बैठक कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक रणनीतियों पर चर्चा की गई।

समीक्षा बैठक में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान एवं प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व जांच, अगस्त एवं सितंबर माह के ऑपरेशन थिएटर की कार्ययोजना, स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं एवं जांच सुविधाओं, आवश्यक उपकरणों एवं सामग्रियों की उपलब्धता, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की स्थिति, सामान्य एवं सिजेरियन प्रसव सेवाओं की उपलब्धता, स्वास्थ्य संस्थानों के पर्यवेक्षण, रिपोर्ट, जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान तथा पीएमएसएमए एंड डीबीटी की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपायों एवं आगामी कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव ने सभी विकासखंडों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक गर्भवती महिला का समय पर पंजीयन एवं नियमित एएनसी जांच सुनिश्चित की जाए। हाई रिस्क गर्भावस्था वाले मामलों की शीघ्र पहचान कर उनका समुचित उपचार किया जाए तथा आवश्यकता होने पर समय पर उच्च स्वास्थ्य संस्थान में रेफर किया जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाइयों, उपकरणों, मानव संसाधनों एवं प्रसव संबंधी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने सभी अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रभावी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में स्त्री रोग विशेषज्ञ, निश्चेतना विशेषज्ञ, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला मीडिया अधिकारी, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी, आरसीएच नोडल अधिकारी, विकासखंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, विकासखंड डाटा प्रबंधक तथा विकासखंड लेखा प्रबंधक, मितानिन समन्वयक उपस्थित रहे।

# आपात स्थिति में घबराहट के बजाय धैर्य का चुनाव करें

पिछले हफ्ते सोमवार से बुधवार के बीच हजारों किलोमीटर की दूरी पर स्थित दो अलग-अलग स्थानों पर दो घटनाएं हुईं। एक मध्य प्रदेश के भोपाल में और दूसरी जापान के क्यूशू द्वीप पर। भोपाल में मानसून के भारी बादल छाए हुए थे, जिनमें जापान के चिंता से भरे माहौल की झलक दिख रही थी।

'किसान क्रांति यात्रा' के तहत किसानों के विरोध प्रदर्शन ने भोपाल की मुख्य सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया। अचानक स्कूल बंद हो गए। माता-पिता परेशान थे। दमघोंटू, उमस भरी गर्मी से हर कार ड्राइवर परेशान था। मुख्य होशंगाबाद रोड पूरी तरह ब्लॉक थी। किसी को बिजनेस प्रेजेंटेशन देना था, तो किसी को बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल के लिए घर पहुंचना था।

लेकिन कोई एक इंच भी आगे नहीं बढ़ सका। कई लोग फोन पर लगातार आ रहे नोटिफिकेशनों में उलझे थे। कुछ स्टीयरिंग पर हाथ मार-मार कर लगातार हॉर्न बजा रहे थे। कुछ लोगों के लिए यह हालात असहनीय थे तो वे विंडो-ग्लास नीचे कर जाम को कोसने लगे।

कुछ लोगों ने समीप की छोटी गलियों में घुस कर भोपाल-जबलपुर हाईवे तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन इस प्रक्रिया में उन्होंने आपात स्थिति में हो सकने वाली आवाजाही को भी रोक दिया। बड़े वाहन उन गलियों में मुड़ नहीं सकते तो इस वजह से दोपहिया वाहन भी फंस गए। मैं भी उसी ट्रैफिक जाम में मौजूद था। कई लोगों ने कार चालकों से धैर्य रखने की अपील की। लेकिन सभी जल्दी घर पहुंचना चाहते थे और इस अफरातफरी में कोई भी समय से नहीं पहुंच पाया। इस अधीरता का असर यह हुआ कि कुछ लोगों को दोस्तों या रिश्तेदारों के घरों पर रात गुजारनी पड़ी, जबकि भोपाल दिल्ली से बहुत छोटा शहर है।

बीते मंगलवार को ठीक इसी दौरान जापान के दक्षिणी द्वीप पर 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। 1500 से ज्यादा इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिनमें से 179 पूरी तरह तहस-नहस हो गईं। कई लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। करीब 80 हजार घर तो बिना पानी-बिजली के रहे। कई लोग 24 से 48 घंटों तक नहीं सोए। जिनके घर क्षतिग्रस्त हुए, उनका मन चिंता से बोझिल था।

संकट में इंसान की प्रवृत्ति होती है कि वह हड़बड़ाहट में जानकारी लेने के लिए चिल्लाता है, आगे जाकर देखता है कि कैसे समस्या हल हो सकती है। वह अपने परिवार के लिए हरसंभव प्रयास करने की कोशिश करता है।

लेकिन द्वीप के उस तबाह हुए इलाके में बहुत से लोग कतारों में खाना-पानी लेने के लिए नहीं, बल्कि स्वयंसेवक के तौर पर उन लोगों तक खाना-पानी पहुंचाने के लिए खड़े थे, जिनके घर पूरी तरह टूट चुके थे या जो भूखे थे। कतार में खड़े कई लोगों के पैरों में दर्द था। उन्हें अपने जूतों के नीचे अब भी आफ्टरशॉक महसूस हो रहे थे, लेकिन फिर भी वे अपनी जगह खड़े रहे। यही अपने सबसे शुद्ध रूप में 'गामन' था। 'गामन' एक प्रमुख जापानी कल्चरल कॉन्सेप्ट है। इसका अर्थ है- सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए अपने निजी दर्द, गुस्से या शिकायतों को छिपाए रखना। प्राकृतिक आपदाओं, कठिनाइयों या दुखों का शांति और मजबूती के साथ सामना करना। समाज और राष्ट्र की जरूरतों को अपनी व्यक्तिगत पीड़ा से ऊपर रखना। कहीं न कहीं हम सभी ऐसे बड़े हुए हैं कि हमें तत्काल संतुष्टि चाहिए या इसे 'टू मिनट्स नूडल्स जनरेशन' भी कहा जा सकता है। लेकिन हमें अपने स्कूल जाने वाले बच्चों को 'गामन' के ये सबक जरूर सिखाने चाहिए। यह उनकी एंग्जायटी घटाने में हमारी मदद करेगा और वो इमरजेंसी में भी शांत रहना सीखेंगे।

फंडा यह है कि जब बुनियादी ढांचा चरमराए या समाज ठहर जाए तो असली मजबूती इससे नहीं मापी जाती कि आप और मैं कितनी जल्दी घर पहुंच गए। यह उन शांत पलों में दिखाई देती है, जब हम जैसे आम लोग घबराहट के बजाय धैर्य और व्यक्तिगत कुंठाओं से ऊपर सामूहिक जिम्मेदारी का चुनाव करते हैं।

## बच्चों की सेहत के पक्षमें अनुकरणीय पहल

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के 1.08 लाख से अधिक स्कूलों और उनके 50 मीटर के दायरे में जंक फूड की बिक्री, मुफ्त वितरण और विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का साहसिक और अनुकरणीय फैसला किया है। यह फैसला बच्चों के स्वस्थ भविष्य की दिशा में उठाया गया आवश्यक कदम कहा जाएगा। समोसा, वड़ा पाव, चिप्स, डीप-फ्राइड स्नैक्स, कोल्ड ड्रिंक्स और चॉकलेट जैसे ज्यादा वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों को स्कूलों की सीमा से बाहर करके सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बच्चों का स्वास्थ्य उसकी प्राथमिकता में है। महाराष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कदम बढ़ाकर अन्य राज्यों के सामने भी नजीर पेश की है। बड़ा सवाल यह है कि देश के अन्य राज्य इस दिशा में कब तत्परता दिखाएंगे? क्योंकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने एक रिपोर्ट जारी कर इस बारे में पहले ही चेतावनी दे दी है। दोनों संस्थानों के अध्ययन में पाया गया कि पिछले 14 साल में देश में जंक फूड की खपत 150 फीसदी बढ़ गई है। इसकी बड़ी वजह बच्चों में इसका बढ़ता आकर्षण है और उसके पीछे जंक फूड की सहज उपलब्धता और बच्चों को लुभाने वाले विज्ञापन हैं।

बचपन की सबसे बड़ी पूंजी अच्छी सेहत होती है, लेकिन आधुनिक जीवनशैली के कारण बच्चों की थाली से पारंपरिक और पौष्टिक भोजन गायब होता जा रहा है। इसका परिणाम कम उम्र में ही बच्चों में बढ़ते मोटापे, बाल-मधुमेह और जीवनशैली से जुड़ी अन्य गंभीर बीमारियों के रूप में सामने आ रहा है। नीति आयोग और यूनिसेफ जैसी संस्थाओं ने अनुमान जताया है कि यदि बच्चों के आहार पर ध्यान नहीं दिया गया तो 2030 तक देश के 11 फीसदी बच्चे मोटापे और उससे होने वाली बीमारियों के शिकार हो जाएंगे। ऐसे में स्कूलों के भीतर और आसपास 'ईट राइट स्कूल' अभियान को सख्ती से लागू करने, खाने-पीने की चीजों के लिए एफएसएसएआइ लाइसेंस अनिवार्य करने और खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक नियुक्ति के निर्देश अत्यंत व्यावहारिक हैं।

हालांकि, इस नीति की सफलता कागजी नियमों से ज्यादा धरातल पर इसके क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। 50 मीटर के दायरे में रेहड़ी-पटरी वालों और दुकानदारों पर लगातार निगरानी रखना और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती होगी। साथ ही, इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि केवल पाबंदी लगा देना ही काफी नहीं है। बच्चों को स्वस्थ विकल्पों की ओर आकर्षित करना भी उतना ही जरूरी है। जब तक स्कूल कैंटीन में स्वादिष्ट और पौष्टिक विकल्प उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक बच्चों को जंक फूड से पूरी तरह दूर रख पाना कठिन होगा।

# उपचुनावों के परिणाम भाजपा को सोचने पर मजबूर करेंगे

बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजों ने कुछ को चौंकाया है, तो कुछ को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। आमतौर पर उपचुनावों में मतदाता सत्तारूढ़ दल या गठबंधन के पक्ष में मतदान करते रहे हैं।

इस तर्क के आधार पर बांकीपुर में भाजपा ही मतदाताओं की पहली पसंद होनी चाहिए थी, लेकिन परिणाम इसके विपरीत रहे। ऐसा नहीं है कि सत्तारूढ़ दल के उम्मीदवार कभी उपचुनाव हारते नहीं हैं; लेकिन भाजपा के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय घटा हुआ वोट-शेयर होना चाहिए। इस विधानसभा क्षेत्र से पार्टी ने लगातार नौ चुनाव जीते थे और प्रत्येक चुनाव में उसे 60 प्रतिशत से अधिक मत मिले थे, जबकि हालिया उपचुनाव में उसका मत-प्रतिशत घट गया है।

यह नवगठित जन सुराज पार्टी (जेएसपी) से भी अधिक प्रशांत किशोर की जीत मानी जाएगी, क्योंकि 2025 के बिहार चुनाव में जेएसपी अपना प्रभाव छोड़ने में विफल रही थी। तब पार्टी सभी सीटों पर हार गई थी और उसे केवल 3.5 प्रतिशत मत मिले थे।

भले ही गुजरात की मंजलपुर सीट पर भाजपा भारी वोट-शेयर हासिल कर अपनी जीत का जश्न मना सकती है, लेकिन मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर उसे एक और झटका लगा, जहां कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को पराजित किया।

वैसे दतिया की सीट पहले भी कांग्रेस के पास थी और चुनाव में कांग्रेस केवल अपनी सीट बचाने में सफल रही है। लेकिन बांकीपुर भाजपा का मजबूत गढ़ रहा है। 1995 के बाद से पार्टी इस सीट पर कभी पराजित नहीं हुई थी।

पिछले पांच वर्षों के उपचुनावों के आंकड़े बताते हैं कि इस अवधि में सत्तारूढ़ दलों/गठबंधनों की सफलता दर 78 प्रतिशत रही, जबकि विपक्ष कुछ ही उपचुनाव जीत सका और उसकी सफलता दर 22 प्रतिशत रही।

यह भी उल्लेखनीय है कि इन तीन उपचुनावों से पहले इसी साल सात और सीटों पर उपचुनाव हुए थे और सभी सीटें सत्तारूढ़ दलों/गठबंधनों ने जीती थीं। इनमें पांच भाजपा/एनडीए और दो कर्नाटक में कांग्रेस के खाते में गई थीं।

2025 में 15 सीटों पर उपचुनाव हुए, जिनमें सत्तारूढ़ दलों/गठबंधनों ने नौ पर जीत दर्ज की, जबकि विपक्षी उम्मीदवार छह सीटों पर विजयी रहे। 2024 में 86 सीटों पर उपचुनाव हुए थे। इनमें से 69 पर सत्तारूढ़ दलों/गठबंधनों ने जीत हासिल की, जबकि विपक्षी उम्मीदवार 17 सीटें जीत सके थे।

इसकी एक स्वाभाविक वजह यह मानी जाती है कि मतदाता ऐसे उम्मीदवार को चुनना चाहते हैं, जो उनके काम आसानी से करा सके और सत्तारूढ़ दल का उम्मीदवार उन्हें इसके लिए उपयुक्त विकल्प लगता है।

लेकिन भाजपा के लिए बांकीपुर की हार कई सवाल खड़े करती है। इस सीट का पहली बार वर्ष 1995 में प्रतिनिधित्व वर्तमान भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा ने किया था। उन्होंने जनता दल के रामानंद यादव को तीन प्रतिशत से भी कम मतों के अंतर से हराकर यह सीट जीती थी।

इसके बाद से भाजपा ने इस सीट पर लगातार अपना कब्जा बनाए रखा। 1995 से 2006 तक इस सीट का प्रतिनिधित्व नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा ने ही किया। उनके निधन के बाद हुए 2006 के उपचुनाव में नितिन नवीन यहां से चुने गए।

नितिन नवीन ने इस विधानसभा क्षेत्र से लगातार पांच चुनाव जीते हैं। 2006 के उपचुनाव में उन्हें रिकॉर्ड 82 प्रतिशत मत मिले थे। उसके बाद भी उन्होंने लगभग हर चुनाव में 60 प्रतिशत से अधिक मत हासिल किए। केवल वर्ष 2020 इसका अपवाद रहा, जब उन्हें 59.05 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।

इनकम्बेंट दल/गठबंधन के प्रति मतदाताओं के रुख में बदलाव मंजलपुर और दतिया में क्यों नहीं दिखा? प्रश्न उठाना आसान है, लेकिन उत्तर खोजना उतना सरल नहीं। संख्या में भले ही ये उपचुनाव मात्र तीन ही हों, लेकिन इनके नतीजे महत्वपूर्ण हैं और इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा हर चुनाव को गम्भीरता से लेती है।

भाजपा के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय बांकीपुर में उसका घटा हुआ वोट-शेयर होना चाहिए। इस सीट से पार्टी ने लगातार नौ चुनाव जीते थे और प्रत्येक चुनाव में उसे 60 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे, जबकि हालिया उपचुनाव में उसका मत-प्रतिशत घट गया है।

**(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

# एआई को गढ़ने वाले मनुष्यता की कितनी समझ रखते हैं?

हमारे समय का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न अब यह नहीं रह गया है कि क्या एआई हमारी दुनिया को बदल देगा। वैसा तो वह पहले ही कर चुका है। लेकिन अब दुनिया को इस तकनीक के लिए एक 'मोरल-कम्पास' (नैतिक दिशानिर्देश) की जरूरत है। इसी सोच के साथ मैंने जिनेवा में आयोजित एआई फॉर गुड ग्लोबल समिट में 170 देशों से आए 12,000 से अधिक प्रतिनिधियों के समक्ष 'कम्पैशनेट एआई' की बात रखी थी।

यदि हम वास्तव में चाहते हैं कि एआई केवल लाभ और शक्ति का माध्यम न बनकर व्यापक जनहित में योगदान दे, तो हमें एआई इंजीनियरों और डेवलपर्स को एक महीने के लिए उनकी प्रयोगशालाओं से बाहर भेजना चाहिए।

उन्हें खदानों और कारखानों में काम करने वाले बच्चों से मिलना चाहिए, संघर्षों के कारण विस्थापित हुए परिवारों से भेंट करनी चाहिए और गरीबी, भेदभाव तथा सामाजिक बहिष्कार झेल रहे कमजोर समुदायों के बीच समय बिताना चाहिए।

उन्हें उन लोगों के साथ चलना चाहिए, जिनका जीवन टेक्नोलॉजी से ज्यादा अन्याय से प्रभावित होता है। केवल एक महीने का ऐसा अनुभव भी किसी व्यक्ति की सोच बदल सकता है और वही इस बात को प्रभावित करेगा कि डेवलपर इस तकनीक को किस दिशा में ले जाते हैं।

एआई पहले ही शिक्षा, हेल्थकेयर, बिजनेस, शासन और रिसर्च को नए रूप में ढाल रहा है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति एक नैतिक परीक्षा भी होती है और एआई अपवाद नहीं है। आज हमारे सामने सबसे बड़ा खतरा यह है कि हम सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न को ही भूल रहे हैं।

और वो यह है कि आखिर यह बुद्धिमत्ता किसकी सेवा के लिए है? यह सही है कि वैश्विक मंचों पर होने वाली अधिकांश चर्चाएं पहले ही नैतिक एआई और जिम्मेदार एआई जैसी अवधारणाओं पर केंद्रित हैं, लेकिन हमें बेहतर शासन-व्यवस्था, सार्थक जवाबदेही और प्रभावी रेगुलेशन की जरूरत है।

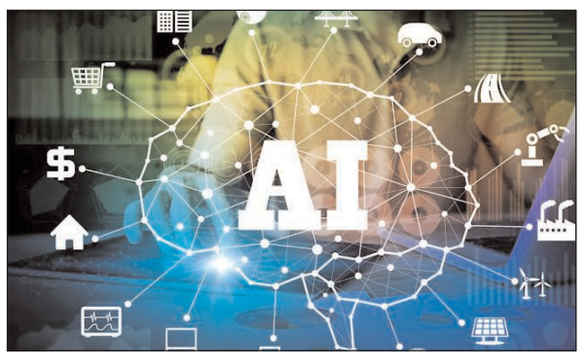


नैतिकता ही हमें बता सकती है कि क्या सही है। कानून सीमाएं तय कर सकते हैं, लेकिन वे उन लोगों की सोच नहीं बदल सकते, जो अरबों लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाली तकनीकों का निर्माण कर रहे हैं। इसके लिए और गहरी वस्तु की आवश्यकता है, और वह है- करुणा।

करुणा को अकसर सहानुभूति, दयालुता या परोपकार का पर्याय समझ लिया जाता है। लेकिन यह इनमें से किसी की भी समानार्थी नहीं है और न ही यह केवल एक भावना या कोई अमूर्त नैतिक आदर्श है। करुणा की शुरुआत तब होती है, जब हम किसी दूसरे व्यक्ति के दु:ख को अपना मानते हैं। यही भावना हमें उसकी पीड़ा को कम करने के लिए कदम उठाने को प्रेरित करती है। इसमें कार्रवाई करने का साहस भी शामिल होता है। करुणा हमें केवल व्यवस्थाओं को अधिक सक्षम बनाने नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा की रक्षा करने की दिशा में भी ले जाती है।

कम्पैशनेट एआई दूसरे फ्रेमवर्क्स से इसलिए अलग है, क्योंकि इसकी शुरुआत तकनीक नहीं, मानवता से होती है। यह पूछने से पहले कि कोई प्रणाली क्या कर सकती है, कम्पैशनेट एआई यह पूछता है कि वह किसके लिए काम करता है। अधिक दक्षता हासिल करने से पहले यह उसके मानवीय परिणामों पर विचार करता है। इनोवेशन का उत्सव मनाने से पहले यह पूछता है कि कहीं कोई पीछे तो नहीं छूट जाएगा।

आज एआई की अनेक विफलताओं, जैसे पूर्वग्रह, भेदभाव, बहिष्कार, भ्रामक सूचना, पर्यावरणीय क्षति और बच्चों के कल्याण के लिए खतरे को अकसर प्रगति के दुर्भाग्यपूर्ण दुष्प्रभावों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन ये केवल दुष्प्रभाव नहीं हैं।

ये इस बात के प्रमाण भी हैं कि जब इन प्रणालियों को विकसित किया गया, तब मनुष्यता के हित की बात करने वाला कोई न कोई व्यक्ति अनुपस्थित था, उसकी अनदेखी की गई थी या उसे नजरअंदाज कर दिया गया था।

आज बड़े हो रहे बच्चे संभवत: अपने माता-पिता, शिक्षकों या पड़ोसियों की तुलना में इंटेलिजेंट मशीनों के साथ अधिक समय बिताएंगे। सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों को तो हम पहले ही समझ चुके हैं। इसलिए हमें यह पूछने के बजाय कि एआई अर्थव्यवस्था को किस तरह बदल सकता है, यह पूछना चाहिए कि जब एल्गोरिदम किसी दूसरे व्यक्ति की पीड़ा को महसूस करने की मानवीय क्षमता की जगह ले लें, तो उसके क्या नतीजे होंगे।

यदि उन्हें पीड़ा को पहचानने के लिए कभी तैयार ही नहीं किया गया, तो क्या वे न्याय की रक्षा कर पाएंगे? यदि उनका लक्ष्य केवल मुनाफे को बढ़ाना हो, तो क्या वे शांति पर जोर दे सकेंगे? ये नैतिक प्रश्न तकनीकी प्रश्नों से पहले पूछे जाने चाहिए, क्योंकि यही मानवता के भविष्य को आकार दे सकते हैं। एआई डेवलपरों को अपनी-अपनी प्रयोगशालाओं से निकलकर खदानों और कारखानों में काम करने वाले बच्चों से मिलना चाहिए, विस्थापित परिवारों से भेंट करनी चाहिए और गरीबी, भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार झेल रहे कमजोर समुदायों के बीच समय बिताना चाहिए।

(@ प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

## युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

शरीर के रोगों के विषय में तो डॉक्टर या वैद्य यह कह सकते हैं कि कुछ लोग छूत के होते हैं और कुछ रोग छूत के नहीं हैं। पर ये मन के जितने रोग हैं वे सब छूत के ही हैं, यही कुसंग की सबसे विचित्र महिमा है। कुसंग की सबसे भयानकता अगर किसी में दिखाई देगी तो वह मंथरा के प्रसंग में दिखाई देगी। मंथरा को जो रोग हुआ है वह तो शरीर के संदर्भ में भी छूत का रोग माना जाता है जिसे हम राजयक्ष्मा अथवा तपेदिक (टी वी) कहते हैं। यह रोग पहले तो बड़ा भयानक तथा छूत की दृष्टि से अत्यंत संक्रामक रोग माना जाता था। तुलसीदासजी से पूछा गया कि मंथरा को कौन-सा रोग हो गया है, तो उन्होंने कहा कि भई ! - पर सुख देखि जरनि सोई छई - दूसरे का सुख देखकर जलन हो तो समझ लेना चाहिए कि राजयक्ष्मा हो गया है। इसलिए जब इसे यह पता चला कि राम को राज्य में मिलने वाला है तो इसका हृदय जलने लगा।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

# विकसित भारत का रास्ता सुव्यवस्थित शहरों से संभव

भारत के तीव्र शहरीकरण के दौर में दीर्घकालिक भौतिक नियोजन की अनिवार्यता है। किसी शहर की पहचान उसकी ऊंची इमारतों से नहीं, बल्कि उसकी दूरदृष्टि से होती है। जो शहर बिना योजना के बढ़ता है, वह अंतत: जीवन, अवसर और गरिमा को बनाए रखने की अपनी क्षमता से आगे निकल जाता है। भारत आज विश्व के सबसे तेजी से शहरीकरण करने वाले देशों में है। हर वर्ष लाखों लोग बेहतर शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और जीवन की आकांक्षा लेकर शहरों की ओर बढ़ रहे हैं। विकसित भारत का सपना भी मुख्यत: शहरों की उत्पादकता, नवाचार क्षमता और जीवन गुणवत्ता पर निर्भर करेगा। हमने शहरों को बढने दिया, लेकिन उन्हें विकसित नहीं किया। हमने निर्माण किया, परंतु नियोजन नहीं किया। हमने परियोजनाएं बनाईं, परन्तु शहर नहीं बना। परिणामस्वरूप आज अधिकांश शहर विकास और अव्यवस्था दोनों का समानांतर अनुभव कर रहे हैं।

आज जब कहीं सडक़ें जाम हो जाती हैं, तब फ्लाईओवर बनते हैं। जलभराव होने पर नालों की सफाई होती है। भूजल समाप्त होने पर नए स्रोत खोजे जाते हैं। हरित क्षेत्र सिकुडऩे पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जाते हैं। अनधिकृत बस्तियां विकसित होने के बाद नियमितीकरण की योजनाएं बनाई जाती हैं। अर्थात हमारा शहरी विकास अभी भी प्रतिक्रियात्मक है, जबकि आधुनिक शहरों का निर्माण पूर्वदर्शी और निवारक नियोजन पर आधारित होना चाहिए।

इसी सोच का परिणाम है कि अनेक शहरों में मास्टर प्लान होने के बावजूद विकास उसकी दिशा से भटक गया। योजनाएं कागजों पर रहीं और शहर बाजार, जनसंख्या और राजनीतिक निर्णयों के अनुसार फैलते चले गए। यह प्रवृत्ति न केवल शहरी अवसंरचना पर असहनीय दबाव डालती है, बल्कि जलवायु परिवर्तन, शहरी बाढ, जल संकट, वायु प्रदूषण और सामाजिक असमानताओं को भी गहरा करती है।

विकसित भारत 2047 का मार्ग केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि सुविचारित शहरी विकास से होकर गुजरता है। इसलिए अब समय आ गया है कि भारत परियोजना आधारित विकास से आगे बढक़र योजना आधारित विकास को अपनाए। शहरों का निर्माण चुनावी कार्यकाल के पांच वर्षों को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि आने वाली पांच पीढिय़ों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

यही सोच है नियोजित विकास मॉडलों की ओर देखने के लिए प्रेरित करती है। इसी दृष्टि से 74वें संविधान संशोधन की भावना, नियोजन कानूनों के आधुनिकीकरण, भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मास्टर प्लान, जलवायु-अनुकूल शहरी नियोजन तथा नागरिक सहभागिता को भारत की शहरी विकास नीति का अभिन्न अंग बनाना होगा।

यदि हमें भारत को वास्तव में विकसित राष्ट्र बनना है, तो दूरदर्शी नेतृत्व, वैज्ञानिक नियोजन, सक्षम संस्थाओं और अनुशासित क्रियान्वयन से गढ़ा जाए। मास्टर प्लान केवल भूमि उपयोग का दस्तावेज नहीं, बल्कि किसी शहर के भविष्य का सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक संविधान है। शहरों का भविष्य संयोग नहीं, सुनियोजित भौतिक नियोजन से बनता है। तीव्र शहरीकरण के दौर में दीर्घकालिक भौतिक विकास की अनिवार्यता है। जो शहर बिना योजना के बढ़ता है, वह अंतत: जीवन, अवसर और गरिमा को बनाए रखने की अपनी क्षमता से आगे निकल जाता है।

आज हमारे अधिकांश शहर जाम, जल संकट, शहरी बाढ़, वायु प्रदूषण, अवैध कॉलोनियों, झुग्गी-बस्तियों, घटते हरित क्षेत्रों और कमजोर नागरिक सुविधाओं से जूझ रहे हैं। यह केवल बढ़ती जनसंख्या का परिणाम नहीं है, बल्कि हमारी दीर्घकालिक भौतिक योजना की कमजोरी और विकास की दूरदृष्टि के अभाव का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

किसी भी शहर का भौतिक नियोजन केवल भवनों, सडक़ों और कॉलोनियों का नक्शा नहीं होता। यह उस शहर के अगले 20 से 30 वर्षों के सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और आधारभूत विकास की व्यापक रूपरेखा होता है। भौतिक नियोजन यह निर्धारित करता है कि शहर किस दिशा में विकसित होगा, कहां आवासीय क्षेत्र होंगे, कहां उद्योग स्थापित होंगे, कहां विद्यालय, अस्पताल और पार्क बनेंगे, जल स्रोतों, पहाडिय़ों, नदियों और हरित क्षेत्रों की सुरक्षा कैसे होगी, परिवहन व्यवस्था किस प्रकार विकसित होगी।

# 45 करोड़ के नकली नोट का सौदा, 1.13 करोड़ ठगेः रायपुर में व्यापारी से एडवांस लेकर भागे ठग

**रायपुर।** रायपुर में नकली नोटों के नाम पर 1.13 करोड़ रुपए की ठगी की गई है। सोशल मीडिया पर वीडियो देखने के बाद कारोबारी ने आरोपियों से संपर्क किया। इसके बाद रायपुर और महाराष्ट्र में कई दौर की बैठकें हुईं। आरोप है कि 45 करोड़ रुपए के नकली नोट मुहैया कराने का झांसा देकर आरोपियों ने कारोबारी से 1 करोड़ 13 लाख रुपए एडवांस ले लिए और फरार हो गए। मामले में पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।

### कारोबारी की शिकायत पर दर्ज हुआ केस

पुलिस के मुताबिक, प्राइवेट फर्म संचालक उमेश गुप्ता की शिकायत पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया गया है कि आरोपियों ने दावा किया था कि उनके पास बड़ी मात्रा में नकली नोट हैं। उन्होंने 1.13 करोड़ रुपए कैश देने के बदले 45 करोड़ रुपए के नकली नोट देने का प्रस्ताव रखा था। इस सौदे को लेकर दोनों पक्षों के बीच कई बार बातचीत हुई और शर्तें तय की गईं। आरोपियों ने खुद को बड़े नेटवर्क से जुड़ा बताते हुए भरोसा दिलाया कि तय समय पर नकली नोटों की खेप मुहैया करा दी जाएगी। इसी भरोसे में कारोबारी ने अलग-अलग चरणों में कुल 1.13 करोड़ रुपए आरोपियों को सौंप दिए।

स्नढ्ढक के अनुसार, सौदे को अंतिम रूप देने के लिए रायपुर के तेलीबांधा क्षेत्र के अलग-अलग होटलों में कई बैठकें हुईं। इसके बाद आरोपियों ने कारोबारी को महाराष्ट्र के अलग-अलग जगहों पर भी बुलाया, जहां सौदे को लेकर बातचीत हुई।

रकम मिलने के बाद आरोपी लगातार नकली नोटों की खेप तैयार होने, सुरक्षा व्यवस्था और डिलीवरी में देरी का हवाला देकर कारोबारी को टालते रहे। काफी समय बीतने के बाद भी न तो नकली नोट मिले और न ही एडवांस की रकम वापस की गई। इसके बाद पीड़ित ने तेलीबांधा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस इस मामले की दो पहलुओं पर जांच कर रही है। पहला, 1.13 करोड़ रुपए की कथित ठगी और दूसरा, एफआईआर में दर्ज उस दावे की जांच कि बड़ी मात्रा में नकली नोटों की सप्लाई और उन्हें बाजार में खपाने की योजना बनाई गई थी। जांच के तहत होटल के रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल डिटेल, यात्रा संबंधी दस्तावेज, नकद लेन-देन और महाराष्ट्र में हुई बैठकों की जानकारी जुटाई जा रही है।

किराए
पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।

संपर्क-9302222222

## नवा रायपुर की सड़कों पर युवकों का जानलेवा स्टंट...

**रायपुर।** राजधानी से लगे नवा रायपुर में कुछ युवकों का खतरनाक स्टंट करते हुए वीडियो सामने आया है, जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में युवककार की बोनट पर लेटकर और चलती गाड़ी में चढ़ने की कोशिश करते हुए रील बनाते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने न केवल अपनी जान जोखिम में डाली, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में डाल दी। कुछ युवक सनरूफ से बाहर निकलकर वीडियो शूट कर रहे हैं। कुछ सेकेंड की रील बनाने के लिए ट्रैफिक नियमों की खुलेआम अनदेखी की गई, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता था। आपको बता दे, कि पूर्व में भी कई युवा कार और बाइक से रेस लगाने के साथ खतरनाक करतब करते हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो किसी दिन बड़ा हादसा होना तय है।

### यह एम्बुलेंस लोहे की गाड़ी नहीं, संकट में जनता का सुरक्षा कवच हैः विधायक अनुज शर्मा

# अंतिम व्यक्ति तक त्वरित स्वास्थ्य सेवा पहुँचाना हमारी प्राथमिकताः मुख्यमंत्री

**रायपुर।** सावन माह के पावन प्रथम सोमवार के शुभ अवसर पर धरसींवा विधानसभा क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं में एक नया अध्याय जुड़ गया है। क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा की विशेष अनुशंसा पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धरसींवा को एक अत्याधुनिक और सर्वसुविधायुक्त नई एंबुलेंस की सौगात मिली है। आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विधायक अनुज शर्मा के साथ इस नई एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर जनहित में रवाना किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा, 'सावन के इस पावन प्रथम सोमवार को धरसींवा क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सुविधा के रूप में एक बड़ी सौगात मिल रही है। हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। धरसींवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए यह एम्बुलेंस आपातकालीन स्थितियों में मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित होगी।' मुख्यमंत्री ने विधायक अनुज शर्मा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, जो कि बेहद प्रशंसनीय है। जन-जन तक बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुंचाना ही हमारी सुशासन की नीति है। यह एम्बुलेंस संकट के समय संजीवनी बनकर जीवन रक्षा का माध्यम बनेगी। कार्यक्रम के दौरान धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'आज सावन के पहले सोमवार के शुभ अवसर पर धरसींवा की देवतुल्य जनता को मुख्यमंत्री जी द्वारा समर्पित यह नई एम्बुलेंस केवल लोहे और पहियों की गाड़ी नहीं है, बल्कि संकट के समय किसी परिवार का जीवन बचाने वाला सुरक्षा कवच है। स्वास्थ्य सेवाएँ ही असल जन-सेवा हैं, और समय पर मिली एम्बुलेंस कई बार जिंदगी और मौत के बीच ढाल बनकर खड़ी होती है। 'विधायक शर्मा ने आगे कहा, 'स्वास्थ्य सेवाएँ किसी भी क्षेत्र की रीढ़ होती हैं। जब रात के अंधेरे में किसी गरीब माँ को, किसी बीमार बच्चे को या किसी बुजुर्ग को आपातकाल में अस्पताल पहुँचने के लिए एक-एक मिनट के लिए जूझना पड़ता है, तब यह एम्बुलेंस सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि उस परिवार के लिए साक्षात जीवनदायिनी बनती है। यह एम्बुलेंस धरसींवा के हर नागरिक के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, चिंता और कर्तव्य का प्रतीक है। मेरा संकल्प है कि धरसींवा का कोई भी नागरिक इलाज और सुविधाओं के अभाव में खुद को असहाय महसूस न करे। मैं यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी का सहृदय आभार व्यक्त करता हूँ, जिनकी संवेदनशीलता और मार्गदर्शन से यह जनहित कार्य संभव हो सका। धरसींवा की जनता की सेवा ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्वास्थ्य सश्री या नजदीकी बड़े अस्पतालों तक सुरक्षित पहुंचाया जा सके।

इस गरिमामय अवसर पर ज़िला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, उपाध्यक्ष संदीप यदु, धरसींवा जनपद अध्यक्ष शकुंतला ढीलेंद्र सेन, तिल्दा जनपद अध्यक्ष टिकेश्वर मनहरे, मण्डल अध्यक्ष सुनील शर्मा, हरिशंकर वर्मा, टीनूकांत वर्मा, विकास वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा भारी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## होटल में गंदगी मिलने पर लगा जुर्मानाः चंगोराभाठा में बिना अनुमति प्रचार सामग्री जब्त

**रायपुर।** रायपुर नगर निगम ने शहर में दो अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई की है। पहली कार्रवाई चंगोराभाठा रिंग रोड स्थित सार्वजनिक ओवरब्रिज पर बिना अनुमति कराई जा रही पेंटिंग को रुकवाकर सामग्री जब्त की गई, वहीं दूसरी ओर पचपेड़ी नाका स्थित एक होटल में गंदगी मिलने पर 8 हजार रुपए का ई-चालान काटा गया।

नगर निगम की मॉनिटरिंग टीम को सूचना मिली थी कि जोन-5 के चंगोराभाठा रिंग रोड-1 स्थित सार्वजनिक ओवरब्रिज की दीवार पर बिना अनुमति प्रचार-प्रसार के लिए पेंटिंग की जा रही है। टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया तो शिकायत सही मिली।

इसके बाद छत्तीसगढ़ संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए पेंटिंग का काम तत्काल बंद कराया गया और मौके से पेंटिंग में इस्तेमाल की जा रही सामग्री जब्त कर ली गई। संबंधित लोगों को भविष्य में बिना अनुमति सार्वजनिक संपत्ति पर किसी भी तरह का प्रचार-प्रसार या पेंटिंग नहीं करने की चेतावनी दी गई है। वहीं, जोन-10 स्वास्थ्य विभाग ने जनशिकायत के आधार पर पचपेड़ी नाका चौक के पास स्थित महावीर थाली का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान होटल में गंदगी मिली और स्वच्छता मानकों के पालन में लापरवाही पाई गई। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के उल्लंघन की भी पुष्टि हुई। इस पर जोन-10 के स्वास्थ्य विभाग ने होटल संचालक को कड़ी चेतावनी देते हुए 8 हजार रुपए का ई-जुर्माना लगाया। निगम का कहना है कि जनशिकायत सही मिलने पर तत्काल कार्रवाई की गई।

नगर निगम ने अपील की है कि सार्वजनिक संपत्ति पर किसी भी प्रकार की पेंटिंग, पोस्टर या विज्ञापन लगाने से पहले सक्षम प्राधिकारी से अनुमति लें। वहीं होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को स्वच्छता मानकों का पालन करने की हिदायत दी गई है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

## रायपुर पुलिस की सरप्राइज चेकिंगः अफसरों ने 6 घंटे अभियान चलाकर 600 लोगों का किया सत्यापन

रायपुर। राष्ट्रीय सुरक्षा और अपराधों की रोकथाम को लेकर रायपुर ग्रामीण पुलिस ने सिलतरा थाना क्षेत्र में बड़े स्तर पर विशेष सत्यापन और जनसुरक्षा अभियान चलाया। अभियान के दौरान औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले करीब 600 किरायेदारों और बाहरी श्रमिकों का सत्यापन किया गया।

वहीं 6 संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित कर उनसे पूछताछ की गई। उनके दस्तावेजों और पहचान संबंधी जानकारी का सत्यापन जारी है।रायपुर ग्रामीण पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एवं एसटीएफ के नोडल अधिकारी अभिषेक झा और एसडीओपी (माना) लम्बोदर पटेल के मार्गदर्शन में चलाया गया। पुलिस टीम ने सांकरा स्थित जेके वीडियो हॉल परिसर में रहने वाले लगभग 600 किरायेदारों का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान पहचान पत्र, निवास संबंधी दस्तावेज और अन्य आवश्यक रिकॉर्ड की जांच कर जानकारी एकत्र की गई। औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले अन्य राज्यों के श्रमिकों और प्रवासी मजदूरों का भी सत्यापन किया गया।

### स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का Gen-Z स्टाइल विरोधः

## विकास उपाध्याय ने 'तेरी गलियों में कयामत होगी' गाने पर बिजली मीटर के सामने बनाई रील

रायपुर। रायपुर में स्मार्ट मीटर के विरोध को कांग्रेस अब नए अंदाज में लोगों तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने बिजली मीटर के सामने खड़े होकर 'तेरी गलियों में कयामत होगी...' गाने पर टिकटॉक और रील स्टाइल में वीडियो बनाया।

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए इस वीडियो के जरिए उन्होंने स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। इससे पहले कांग्रेस स्मार्ट मीटर को 'महतारी वंदन वसूली मीटर' बता चुकी है।

पार्टी का आरोप है कि सरकार महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1000 रुपए दे रही है, लेकिन स्मार्ट मीटर और महंगी बिजली के जरिए उससे कई गुना ज्यादा वसूली की जा रही है। विकास उपाध्याय ने कहा कि, पहले जिन परिवारों का बिजली बिल 1000 से 1500 रुपए आता था, स्मार्ट मीटर लगने के बाद कई उपभोक्ताओं के बिल 5 से 7 गुना तक बढ़ गए हैं। इससे मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों का मासिक बजट बिगड़ गया है। उनका दावा है कि कई लोगों को बिजली बिल भरने के लिए कर्ज तक लेना पड़ रहा है।

## रायपुर में चलती बाइक बनी आग का गोला...: भाठागांव में होंडा शाइन में अचानक लगी आग, युवक ने कूदकर बचाई जान

**रायपुर।** रायपुर के भाठागांव इलाके में सोमवार को चलती बाइक पर अचानक आग लग गई। युवक होंडा शाइन बाइक से भाठागांव से तेलीबांधा की ओर जा रहा था। इसी दौरान बाइक से अचानक धुआं निकलने लगा और कुछ ही सेकेंड में आग की लपटों ने पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। खतरा भांपते ही युवक ने बाइक रोककर तुरंत छलांग लगा दी, जिससे उसकी जान बच गई।

घटना के बाद सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक धू-धूकर जलने लगी, जिससे कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैल गई। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

### वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सड़क किनारे बाइक आग की लपटों में घिरी नजर आ रही है। राहगीरों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जो तेजी से वायरल हो रहा है।

सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक बाइक पूरी तरह जल चुकी थी। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और चालक सुरक्षित है।

# जमीन खरीददारी को लेकर CGRA की एडवायजरीःराजस्व रिकॉर्ड, स्वामित्व और कानूनी स्थिति के साथ लैंड यूज की जांच कराने की अपील

**रायपुर।** प्रदेश में बढ़ रहे जमीन फ्रॉड के बीच छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन सोसायटी ने प्रदेशवासियों के लिए एडवायजरी जारी करते हुए जमीन, प्लॉट और कृषि भूमि खरीदने से पहले सभी राजस्व और कानूनी दस्तावेजों की पूरी जांच करने की सलाह दी है।

एसोसिएशन का कहना है कि थोड़ी-सी लापरवाही भविष्य में लंबे कानूनी विवाद, आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी का कारण बन सकती है। इसलिए किसी भी संपत्ति का सौदा करने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति की पुष्टि जरूरी है।

एडवायजरी में कहा गया है कि खरीदार सबसे पहले विक्रेता के स्वामित्व की पुष्टि करें और सेल डीड, बी-1, खसरा, ऋण पुस्तिका, नामांतरण आदेश सहित अन्य राजस्व अभिलेखों की जांच करें।

साथ ही संबंधित तहसील से वर्ष 1956 से अब तक के भूमि रिकॉर्ड और स्वामित्व का पूरा इतिहास निकलवाकर उसका परीक्षण भी कराएं, ताकि किसी पुराने विवाद या दावे की जानकारी

मिल सके। एसोसिएशन ने यह भी सलाह दी है कि जमीन खरीदने से पहले किसी प्रमुख समाचार पत्र में आम सूचना प्रकाशित कराई जाए। इसके अलावा सक्षम राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में भूमि का सीमांकन और बटांकन कराया जाए। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जमीन किसी बैंक या वित्तीय संस्था के पास बंधक न हो और उस पर किसी प्रकार का ऋण या चार्ज दर्ज न हो।

एडवायजरी के अनुसार, खरीदारों को यह भी जांचना चाहिए कि संबंधित भूमि से जुड़ा कोई मामला राजस्व न्यायालय, सिविल कोर्ट या अन्य न्यायालय में लंबित तो नहीं है। साथ ही मौके पर जाकर वास्तविक कब्जे, अतिक्रमण और भूमि के वर्तमान उपयोग का भी सत्यापन करना चाहिए।

एसोसिएशन ने नगर एवं ग्राम निवेश विभाग या संबंधित विकास प्राधिकरण से भूमि उपयोग (लैंड यूज) की जानकारी लेने, सरकारी अधिग्रहण, सड़क, नहर, बिजली लाइन, वन क्षेत्र या मास्टर प्लान के किसी प्रतिबंध की जांच करने की सलाह दी है।

एसोसिएशन ने लोगों से अपील की है कि केवल कम कीमत या मौखिक आश्वासन के आधार पर जमीन खरीदने का निर्णय न लें। सभी जरूरी दस्तावेजों और तथ्यों का सत्यापन करने के बाद ही संपत्ति खरीदें, ताकि भविष्य में कानूनी और आर्थिक विवादों से बचा जा सके।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

## वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

**मेष।** आज करियर के क्षेत्र में उन्नति के नए द्वार खुल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन आपकी मेहनत और लगन का पूरा फल मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों से प्रभावित होंगे और नई जिम्मेदारियां सौंप सकते हैं। व्यापार से जुड़े लोगों को विस्तार के अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी और रुका हुआ धन मिलने की संभावना है।

**वृषभ।** आज प्रेम संबंधों में मधुरता और विश्वास बढ़ेगा। जीवनसाथी या प्रिय व्यक्ति के साथ बिताया गया समय रिश्तों को और मजबूत बनाएगा। आर्थिक मामलों में शुभ संकेत मिल रहे हैं। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है और आय के नए स्रोत भी बन सकते हैं। व्यापारियों को लाभदायक सौदे मिलने के योग हैं।

**मिथुन।** आज नौकरी से जुड़े नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं। यदि आप नई नौकरी की तलाश में हैं, तो शुभ समाचार मिलने की संभावना है। बौद्धिक और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी तथा आपकी प्रतिभा लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी। व्यापारियों को नए संपर्कों से लाभ होगा और आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

**कर्क।** आज आय के नए स्रोत बनने के प्रबल योग हैं। सूर्य, बुध और गुरु की शुभ युति आपके करियर और आर्थिक जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। व्यापार में लाभ होगा और नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपके कार्यों की सराहना होगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा तथा जीवनसाथी का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा।

**सिंह।** आज मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं। मां लक्ष्मी की कृपा से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों को अच्छा लाभ मिलेगा तथा नौकरीपेशा लोगों के कार्यों की सराहना होगी। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा और प्रियजनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन अत्यधिक कार्यभार से बचें।

**कन्या।** आज स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने की आवश्यकता है। छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए नियमित दिनचर्या और संतुलित भोजन अपनाएं। कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सावधान रहें और किसी भी विवाद में पड़ने से बचें। व्यापार में सामान्य लाभ मिलेगा, लेकिन बड़ा निवेश सोच-समझकर ही करें। नौकरीपेशा लोगों को अपनी जिम्मेदारियां पूरी ईमानदारी से निभानी चाहिए।

**तुला।** आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा और आय में वृद्धि के संकेत हैं। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा और आपकी मेहनत की सराहना होगी। व्यापारियों को नए अवसर प्राप्त होंगे तथा लाभ में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध पहले से अधिक मजबूत होंगे।

**वृश्चिक।** आज पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी और मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में अच्छा लाभ मिलने के योग हैं तथा आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और उनके कार्यों की सराहना होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा जीवनसाथी के साथ समय सुखद बीतेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और पहले से बेहतर महसूस करेंगे।

**धनु।** आज करियर में आगे बढ़ने के सुनहरे अवसर मिल सकते हैं। यदि आप नई नौकरी या पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो शुभ समाचार मिलने की संभावना है। पुराने निवेश से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यापारियों को नए सौदों से फायदा मिलेगा। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन अधिक काम के बीच आराम के लिए समय निकालना जरूरी होगा।

**मकर।** आज सहकर्मियों के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे और टीमवर्क के माध्यम से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी तथा नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। मानसिक शांति बनाए रखने के लिए थोड़ा समय स्वयं के लिए निकालें और पर्याप्त आराम करें। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी तथा खर्चों पर नियंत्रण बना रहेगा। परिवार में सुख-शांति रहेगी और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन तनाव से बचना जरूरी होगा।

**कुंभ।** आज रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और नई प्रतिभा को पहचान मिलने की संभावना है। समाज में आपकी नई पहचान बनेगी और नए लोगों से मेल-जोल भविष्य के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी तथा आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यापारियों को नए अवसर प्राप्त होंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम करना लाभदायक रहेगा।

**मीन।** आज कारोबार में अच्छी कमाई होने के संकेत हैं और नए ग्राहकों या नए प्रोजेक्ट्स से लाभ मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी या बेहतर नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन संतुलित भोजन और पर्याप्त आराम का ध्यान रखें। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ रहेगा। धैर्य, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे तो हर क्षेत्र में सफलता आपके कदम चूमेगी।

### हजारीबाग में खास महल की जमीन से अतिक्रमण हटा

# 58 डिसमिल सरकारी भूमि पर बनी अस्थायी बाउंड्री जेसीबी से ध्वस्त, प्रशासन ने दी चेतावनी

**हजारीबाग।** हजारीबाग जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत हुड़हुड़ू रोड स्थित कोर्रा कैंटोनमेंट क्षेत्र में खास महल की 58 डिसमिल सरकारी जमीन से सोमवार को अतिक्रमण हटा दिया गया। प्रशासन ने जेसीबी की मदद से यह कार्रवाई की।

उपायुक्त के निर्देश पर सदर अंचलाधिकारी आशुतोष कुमार के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया, जिसमें बड़ी बाजार थाना प्रभारी मुकेश रजक पुलिस बल के साथ मौजूद थे। कार्रवाई के दौरान जमीन पर बनाई गई झाड़-फूस की अस्थायी बाउंड्री को ध्वस्त कर दिया गया।

प्रशासन के अनुसार, होल्डिंग संख्या-302 वाली यह भूमि खास महल की संपत्ति है। कुछ लोग इस पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। इस जमीन को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था। सूचना मिलने के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

सदर अंचलाधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि अतिक्रमणकारी झाड़-फूस और पेड़-पौधे लगाकर अंदर निर्माण कार्य की तैयारी कर रहे थे। इसे रोकने के लिए प्रशासन ने यह कार्रवाई की। उन्होंने यह भी बताया कि आयुक्त स्तर से इस जमीन को सरकार के नाम पुनः दर्ज (रिन्यूम) करने की प्रक्रिया के तहत अभिलेख भेजे जा चुके हैं। इस मामले में बड़ी बाजार थाना में कांड संख्या 489/2023 पहले से दर्ज है।

अंचलाधिकारी आशुतोष कुमार ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वरीय अधिकारियों के निर्देशानुसार, सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा और विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे सभी लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि वर्ष 2023 में भी यही जमीन विवादों में रही थी। उस समय भी कुछ लोगों ने टीन शेड लगाकर अस्थायी घेराबंदी कर कब्जे का प्रयास किया था, जिसे तत्कालीन अंचलाधिकारी शशि भूषण सिंह ने हटवा दिया था। 23 नवंबर 2023 को उन्होंने बड़ी बाजार थाना में अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अब एक बार फिर इसी जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिश सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है।

# अब कार्रवाई की तैयारीः रिम्स में इस्तीफा दिए बिना पूर्व निदेशक के बेटे ने लखनऊ में ज्वाइन किया

**रांचीं।** रिम्स के मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (एमएचए) विभाग में ट्यूटर के पद पर कार्यरत ऋषभ कुमार ने कथित तौर पर बिना इस्तीफा दिए लखनऊ के एक निजी मेडिकल कॉलेज में सहायक प्राध्यापक और डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट के रूप में योगदान दे दिया है।

रिम्स प्रबंधन का कहना है कि अब तक ऋषभ कुमार का इस्तीफा नहीं मिला है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग इसे सेवा नियमों के उल्लंघन के रूप में देखते हुए विभागीय कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

### डॉ. राजकुमार ने सोशल मीडिया पोस्ट से दी जानकारी

ऋषभ के नई नौकरी की पुष्टि पूर्व निदेशक डॉ. राजकुमार की सोशल मीडिया पोस्ट से भी हुई है। उन्होंने फेसबुक अकाउंट पर लखनऊ लौटने और एक निजी मेडिकल कॉलेज में सेवा शुरू करने की जानकारी साझा करते हुए लिखा कि उनके पुत्र ऋषभ कुमार ने भी उसी संस्थान में सहायक प्राध्यापक एवं डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट के रूप में योगदान दिया है।

**इस्तीफा नहीं मिला:** प्रभारी निदेशक एमएचए विभाग में कार्यरत ऋषभ कुमार का इस्तीफा प्रबंधन को नहीं मिला है। करीब एक माह पहले छुट्टी का आवेदन देकर गए थे। यदि उन्होंने कहीं योगदान दिया है और उसका प्रमाण मिलता है तो उन्हें बर्खास्त कर नियमानुसार कार्रवाई होगी। -**डॉ. डी.के. सिन्हा, प्रभारी निदेशक, रिम्स**

### कोर्ट में मामला विचाराधीनः सचिव

मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट के निर्देश पर ही उम्मीदवार ने योगदान दिया था। यदि उन्होंने बिना इस्तीफा दिए दूसरे संस्थान में योगदान दिया है तो यह कोर्ट को भी गुमराह करने जैसा है। इस तथ्य से कोर्ट को अवगत कराया जाएगा। -**अजय कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव**

# छात्र आंदोलन...:जेपीएससी और जेएसएससी को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए स्टेडियम में निकाला फ्लैश लाइट मार्च

**रांची।** जयपाल सिंह स्टेडियम में जुटे छात्रों ने सोमवार शाम जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच के बैनर तले फ्लैश लाइट मार्च निकाला। स्टेडियम के अंदर ही मोबाइल की रोशनी में पैदल मार्च कर विरोध जताया। ये छात्र जेपीएससी और जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे थे।

टेंट के अंदर दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तस्वीर रखकर जेपीएससी और जेएसएससी को भ्रष्टाचारमुक्त बनाने की मांग कर रहे थे। छात्रों की भीड़ को देखते हुए स्टेडियम में अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैयारी कर दी गई है।

### छात्र आंदोलन को सीजेपी का समर्थन

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने छात्र आंदोलन को समर्थन दिया है। सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके और प्रवक्ता आशुतोष रंका ने सोमवार को छात्रों से मोबाइल पर बात की और समर्थन देने की घोषणा की। वहीं आईसा की अध्यक्ष नेहा बोरा ने भी समर्थन देने की घोषणा की। वे सात अगस्त को विधानसभा मार्च में भी शामिल होंगी।

# अपर बाजार नोटिस विवादः चैंबर ने खोला मोर्चा, व्यापारियों ने कहा- पहले समाधान, फिर कार्रवाई

**रांची।** अपर बाजार में नगर निगम की प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर व्यापारियों और निगम के बीच टकराव बढ़ता दिख रहा है। 70-80 वर्षों से कारोबार कर रहे दुकानदारों को तीन दिन के भीतर प्रतिष्ठान खाली करने के नोटिस के बाद झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स खुलकर विरोध में उतर आया है।

सोमवार को चैंबर के प्रतिनिधिमंडल ने नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार से मिलकर नोटिस निरस्त करने और पुनर्वास के बाद ही कार्रवाई करने की मांग की। चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के दुकानों को खाली कराने का फैसला हजारों परिवारों की आजीविका पर सीधा असर डालेगा।

चैंबर महासचिव रोहित अग्रवाल ने कहा कि अपर बाजार राज्य के आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए किसी भी निर्णय से पहले सभी हितधारकों से संवाद जरूरी है।

### व्यापारियों की 5 प्रमुख मांगें

तीन दिन में दुकान खाली करने का नोटिस तत्काल वापस लिया जाए।

पहले बकरी बाजार में मल्टीलेवल/टू-लेयर पार्किंग बनाई जाए।

पुनर्वास की व्यवस्था के बाद ही कार्रवाई हो।

जाम की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

सभी हितधारकों से संवाद कर व्यावहारिक निर्णय लिया जाए।

अपर बाजार आर्थिक धड़कन है अपर बाजार के प्रतिष्ठानों से राज्यभर में सामान की सप्लाई होती है। यहीं से करोड़ों रुपए का राजस्व सरकार को प्राप्त होता है। इसका हिस्सा छोटे और बड़े व्यापारी हैं। अपर बाजार के बाजारटांड़ में निगम ने 65 साल पहले 4.39 एकड़ में 608 लोगों को अस्थायी दुकानें बनाने के लिए जमीन दी थी। निगम किराया भी वसूल रहा है। अब इस जमीन पर मल्टी स्टोरी कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना है।

# मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना में कई खामियां...: सीएमईजीपी योजना पर रोक, खामियों में संशोधन के बाद फिर से शुरू होगी

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ड्रीम प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना (सीएमईजीपी) पर उनके ही आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। इस योजना में कई खामियों और सही लाभुक तक योजना का लाभ नहीं मिलने से सीएम नाराज चल रहे थे।

अब इस योजना में आवश्यक जरूरी संशोधन करने के बाद इसे पुनः शुरू किया जाएगा। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में 10185 लाभुकों का लोन मंजूर होने के बाद भी आवेदकों को राशि आवंटित नहीं की गई।

दरअसल इस योजना में कई तरह की खामियां उजागर हुईं। इस योजना में किसी आवेदनकर्ता के आवेदन का कोई क्रॉस चेक नहीं होना, जिला द्वारा बेहिसाब आवेदनों को एप्रुवल देना और लोन लेने के बाद उसकी रिकवरी का कोई सिस्टम नहीं होने से इसमें कई तरह की तकनीकी अड़चनें सामने आ रही थीं। इसलिए फिलहाल इस योजना में आवश्यक जरूरी संशोधन होने तक रोक लगा दी गई है।

झारखंड सरकार के आदिवासी, ओबीसी एवं अल्पसंख?यक कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत राज्य में निवास करने वाले आदिवासी, दलित, पिछड़े एवं अल्पसंख्यक वर्ग के बेरोजगार युवक- युवतियों को स्वरोजगार के लिए 50 हजार रुपए से लेकर 25 लाख रुपए तक लोन देने का प्रावधान किया गया है।

जिसमें 40 प्रतिशत सब्सिडी होती है। इसके आवेदन और राशि जिला स्तर पर ही स्वीकृत किए जाते हैं। इसके बाद आवेदन को कल्याण विभाग को भेजा जाता है, जहां बैंकों के माध्यम से लाभुकों को लोन की राशि आवंटित की जाती है।

10,185 आवेदन लंबित...

मंजूरी के बाद भी नहीं मिला लोन योजना के तहत पिछले दो साल में करीब 10,185 आवेदन लंबित हैं। योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 160 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गयास, मगर केवल 40 करोड़ रुपए ही आवंटित हुए।

## सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 3 | | | 8 | | | | 1 |
| | | 7 | 4 | | 1 | | 5 | |
| 9 | | | | 5 | | 2 | | |
| | | 2 | | | 5 | | 1 | |
| 3 | | | 2 | 1 | | 5 | | |
| 5 | 9 | | | 6 | | | | 2 |
| | | 6 | 5 | | 2 | | | |
| | | 9 | 6 | | | | 2 | 7 |
| | | | | | 8 | | 6 | 5 |

## पिछले अंक का उत्तर

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | 6 | 2 | 8 | 4 | 1 | 7 | 3 |
| 4 | 7 | 8 | 1 | 3 | 9 | 6 | 5 | 2 |
| 3 | 1 | 2 | 5 | 6 | 7 | 4 | 8 | 9 |
| 2 | 5 | 9 | 3 | 4 | 1 | 8 | 6 | 7 |
| 8 | 6 | 4 | 9 | 7 | 5 | 2 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 1 | 8 | 2 | 6 | 9 | 4 | 5 |
| 6 | 8 | 3 | 7 | 1 | 2 | 5 | 9 | 4 |
| 1 | 4 | 5 | 6 | 9 | 3 | 7 | 2 | 8 |
| 9 | 2 | 7 | 4 | 5 | 8 | 3 | 1 | 6 |

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

# जेएसएससी की भर्ती परीक्षा में बना अनोखा रिकॉर्ड

**रांची।** झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की महिला पर्यवेक्षिका प्रतियोगिता परीक्षा-2023 का परिणाम इन दिनों सुर्खियों में हैं। रामगढ़ के राधा गोविंद यूनिवर्सिटी (आरजीयू) की सोशियोलॉजी और साइकोलॉजी विषय में लगातार तीन सत्र में जितनी भी छात्राओं ने एडमिशन लिया, सभी तीन वर्षीय यूजी की डिग्री हासिल करने में सफल रहीं। यही नहीं, इन तीनों सत्रों में पासआउट सभी 33 छात्राएं जेएसएससी की नियुक्ति परीक्षा पास करते हुए महिला पर्यवेक्षिका बन गईं। अब इस पर भी सीआईडी जांच की तलवार लटक गई है। जेएसएससी ने 9 सितंबर 2023 को विज्ञापन जारी कर महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के तहत 444 महिला पर्यवेक्षिका के लिए आवेदन मांगा था। परीक्षा तीन चरणों में हुई। इसमें अंतिम परिणाम में 313 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। रिजल्ट के विश्लेषण में सामने आया कि इनमें राधा गोविंद यूनिवर्सिटी की ये 33 छात्राएं भी थीं।

# इंग्लिश फुटबॉल में नया सितारा: 15 साल के जेजे गेब्रियल मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए खेलने वाले सबसे युवा; 70 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

**लंदन।** इंग्लिश फुटबॉल के इतिहास में इस हफ्ते एक नया अध्याय जुड़ गया। 15 साल के जोसेफ जूनियर एंड्रयू गेब्रियल (जेजे गेब्रियल) मशहूर क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड (13 बार का प्रीमियर लीग चैम्पियन) की सीनियर टीम से खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। स्पेनिश क्लब एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ प्री-सीजन मैच में उन्होंने यह कारनामा किया।

एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड की टीम बढ़त पर थी। मैच के 82वें मिनट में मैनेजर माइकल कैरिक ने 15 साल 299 दिन के गेब्रियल को मैदान पर उतारा। मैदान पर कदम रखते ही गेब्रियल ने क्लब के पूर्व गोलकीपर डेविड गास्केल का 70 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गास्केल ने 1956 में 16 साल और 19 दिन की उम्र में डेब्यू किया था, जबकि गेब्रियल ने 16 साल का होने से पहले ही यह मुकाम हासिल कर लिया है। यह मैच मैनचेस्टर यूनाइटेड ने 2-1 से जीता।

अक्टूबर 2010 में लंदन में जन्मे गेब्रियल अभी अपनी स्कूली पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार अप्रैल 2025 में सुर्खियां बटोरी थीं। तब उन्होंने महज साढ़े 14 साल की उम्र में लीड्स यूनाइटेड के खिलाफ अंडर-18 टीम के लिए अपना पहला मैच खेला और 25 मिनट के खेल में ही दो गोल दाग दिए थे।

पिछले सीजन में उन्होंने अंडर-18 टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 32 मैचों में 29 गोल किए। उनके इस प्रदर्शन से टीम एफए यूथ कप और प्रीमियर लीग अंडर-18 कप के फाइनल में पहुंची। उन्हें अंडर-18 'प्लेयर ऑफ द सीजन' चुना गया। वह यह अवॉर्ड जीतने वाले क्लब के सबसे युवा खिलाड़ी हैं।

गेब्रियल की प्रतिभा को देखते हुए क्लब के 'डायरेक्टर ऑफ फुटबॉल' जेसन विलकॉक्स ने पिछले साल उन्हें यूनाइटेड में बनाए रखने के लिए खुद पहल की थी। क्लब उन्हें लेकर कितना गंभीर है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले साल दिसंबर में उन्हें क्लब के दिग्गज सर एलेक्स फर्ग्यूसन से मिलवाया गया था। हाल ही में नॉर्वे में रोसेनबोर्ग के खिलाफ मैच के लिए भी उन्हें सीनियर टीम के साथ ले जाया गया था।

गेब्रियल अपनी तेज रफ्तार और बॉल कंट्रोल के लिए जाने जाते हैं। वह मूल रूप से विंगर (किनारे पर खेलने वाले) हैं, लेकिन अब कोच उन्हें सेंट्रल (बीच की) पोजीशन पर खेलने की ट्रेनिंग दे रहे हैं ताकि वह बड़े और मजबूत डिफेंडरों का डटकर सामना कर सकें। गेब्रियल इसी साल मार्च में भी सीनियर टीम के साथ ट्रेनिंग कर चुके हैं, लेकिन जब पिछला सीजन शुरू हुआ था, तब वे 15 साल के पूरे नहीं हुए थे और लीग नियमों के मुताबिक मुख्य मैचों में नहीं उतर सके। हालांकि, 6 अक्टूबर 2026 को वह 16 साल के हो रहे हैं और आगामी सीजन में प्रीमियर लीग खेलने के योग्य हैं।

## टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ में बदलाव की तैयारी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड खिलाड़ियों की लगातार बढ़ रही इंजरी को लेकर गंभीर हो गया है। बोर्ड जल्द ही टीम के मुख्य फिजियो कमलेश जैन के कामकाज का रिव्यू करेगा।

कमलेश 2022 में नितिन पटेल की जगह भारतीय टीम के मुख्य फिजियो बने थे। हाल के महीनों में कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल हुए हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस सूची में शामिल होने वाले ताजा खिलाड़ी हैं। बुमराह के अलावा हर्षित राणा और नीतिश कुमार रेड्डी भी चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। वॉशिंगटन सुंदर पहला टेस्ट नहीं खेल सके और दूसरे टेस्ट में भी उनके खेलने पर संशय है। वहीं साई सुदर्शन को भी बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस क्लीयरेंस मिलने के बाद ही टीम में शामिल किया गया।

## बिजनेस न्यूज

### सेंसेक्स 200 अंक चढ़ा, निफ्टी 150 अंक फिसला; NSE ने बताया- नए CAS सिस्टम का असर

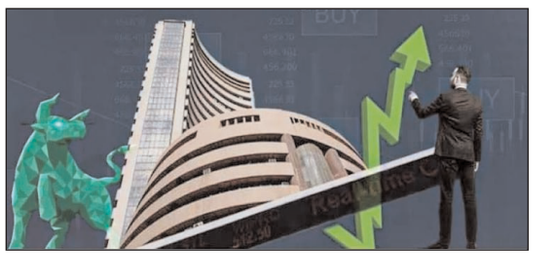

मुंबई। मंगलवार, 4 अगस्त को घरेलू शेयर बाजार में अलग-अलग रुख देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स करीब 200 अंक की बढ़त के साथ 78,850 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जबकि एनएसई निफ्टी 150 अंक की गिरावट के साथ 24,600 के आसपास कारोबार कर रहा है। दोनों प्रमुख सूचकांकों की विपरीत चाल ने निवेशकों के बीच चर्चा का विषय बना दिया।

इस असामान्य स्थिति पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने स्पष्ट किया है कि यह किसी तकनीकी खराबी या सिस्टम फेल होने का मामला नहीं है। एक्सचेंज के अनुसार, हाल ही में लागू किए गए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन के नए फ्रेमवर्क के कारण स्पॉट और फ्यूचर्स बाजार की कीमतों में अंतर देखने को मिला है। इसी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में अंतर दिखाई दे रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, नए **CAS** सिस्टम का उद्देश्य बाजार में पारदर्शिता और बेहतर मूल्य निर्धारण सुनिश्चित करना है। हालांकि, शुरुआती दिनों में इसके कारण कुछ समय के लिए सूचकांकों की चाल में अंतर दिखाई देना स्वाभाविक है। **CAS** ने निवेशकों से किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने और इसे सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा मानने की अपील की है। बाजार को वैश्विक संकेतों से भी समर्थन मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, अमेरिका-ईरान सहित भू-राजनीतिक तनाव में कमी और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी से भारतीय बाजार की धारणा मजबूत बनी हुई है। इन कारणों से सेंसेक्स को सहारा मिला, जबकि निफ्टी पर नए सिस्टम का तकनीकी प्रभाव अधिक दिखाई दिया।

### चांदी 2,130 बढ़कर 2.19 लाख पर पहुंची: 10 ग्राम सोना 381 महंगा होकर 1.43 लाख का हुआ, इस साल 10 हजार महंगा हो चुका

सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 4 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 2,130 रुपए बढ़कर 2.19 लाख रुपए पर पहुंच गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 381 रुपए बढ़कर 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

#### इस साल सोने में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 10 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 12 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.18 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-
1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।
ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।
Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

# हर्षिता टूर डी फ्रांस में हिस्सा लेने वाली पहली भारतीय: UCI के टैलेंट प्रोग्राम में चुनी गईं, पिता राकेश जाखड़ ने ट्रेनिंग दी

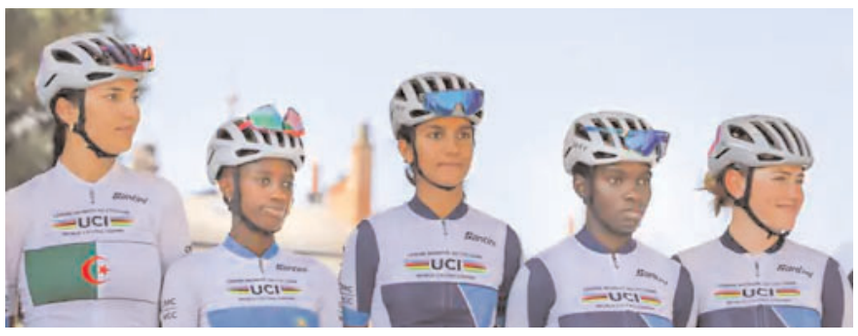

राजस्थान की साइकिलिस्ट हर्षिता जाखड़ टूर डी फ्रांस फेम्स 2026 में हिस्सा लेने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं।

19 साल की हर्षिता ने रविवार को स्विट्जरलैंड के एग्ल में स्टेज टू की शुरुआत के दौरान साइकिलिस्टों के एक ग्रुप को लीड किया।

हर्षिता को यूनियन साइकिलिस्ट इंटरनेशनल वर्ल्ड साइकिलिंग टैलेंट प्रोग्राम के तहत चुना गया था।

इस प्रोग्राम में दुनिया भर के आठ साइकिलिस्ट शामिल थे, जिन्हें एलीट साइकिलिंग टूर्नामेंट का अनुभव देने के लिए चुना गया था। टूर डी फ्रांस महिलाओं की सालाना रोड साइकिलिंग रेस है। यह ष्ट्ठ विमेंस वर्ल्ड टूर कैलेंडर का सबसे बड़ा और लंबा इवेंट है। जो 1 अगस्त को लुसाने से शुरू हुई और 9 अगस्त को नीस में समाप्त होगी।

हर्षिता के साथ इस समूह में अफगानिस्तान, अल्जीरिया, चिली, इथियोपिया, नामीबिया और युगांडा के साइकिलिस्ट भी शामिल थे। इन सभी ने प्रोफेशनल पेलेटन के शुरू होने से पहले 4.5 किलोमीटर की न्यूट्रलाइज्ड राइड पूरी की।

**UCI** के अध्यक्ष डेविड लैपार्टिएंट ने उम्मीद जताई कि भारतीय साइकिलिस्ट हर्षिता भविष्य में टूर डी फ्रांस फेम्स की मुख्य प्रतियोगिता का हिस्सा बनेंगी।

लैपार्टिएंट ने भरोसा जताया कि हर्षिता को इस रेस का अनुभव पसंद आएगा और वह जल्द ही मुख्य प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वापस आएंगी।

#### पटियाला में पिता से ले रही हैं ट्रेनिंग

हर्षिता का ट्रेनिंग बेस पटियाला में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया का नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस है। वह अपने पिता और पूर्व साइकिलिस्ट राकेश जाखड़ की देखरेख में ट्रेनिंग करती हैं। उनके पिता राकेश जाखड़ 2010 नई दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में भी हिस्सा ले चुके हैं। हर्षिता ने 2025 खेलो इंडिया यूथ गेम्स में तीन गोल्ड मेडल जीतकर अपनी पहचान बनाई थी। इसके अलावा, उन्होंने 2024 एशियन जूनियर साइकिलिंग चैंपियनशिप में एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम किए हैं।

### दिल्ली में छाया सांसद पप्पू यादव के बेटे का जादू, ताबड़तोड़ अर्धशतक से मचाया तहलका

बिहार के पूर्णिया जिले से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के बेटे सार्थक रंजन ने दिल्ली प्रीमियर लीग में धमाकेदार पारी खेली है। सोमवार की रात अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग के सातवें मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली किंग्स के खिलाफ उन्होंने 39 गेंदों में 64 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल थे।

29 साल के इस बल्लेबाज ने साल 2018 में ही दिल्ली की टी-20 टीम में डेब्यू किया था, लेकिन अब तक न तो उन्हें भारतीय राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है और न ही वे आईपीएल में खेल पाए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के सेटअप का हिस्सा रहे सार्थक अभी भी आईपीएल में अपनी जगह तलाश रहे हैं। हालांकि, जिस तरह का केकेआर का मौजूदा स्क्वाड है, उसमें प्लेइंग-11 या इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर जगह बनाना काफी चुनौतीपूर्ण है।

दिल्ली प्रीमियर लीग से कई ऐसे खिलाड़ी निकले हैं जो आईपीएल में अपनी पहचान बना चुके हैं, जिनमें प्रियांशु आर्य एक बड़ा नाम हैं। ऐसे में सार्थक रंजन की यह तूफानी पारी उनके लिए आईपीएल के दरवाजे खोलने का काम कर सकती है।

इस मुकाबले की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने कप्तान सार्थक रंजन के 64 और यश भाटिया के 90 रनों की बदौलत 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 209 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

### अंजनेय यूनिवर्सिटी में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले ने जीते 69 पदक

**दन्तेवाड़ा।** अंजनेय यूनिवर्सिटी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में दंतेवाड़ा जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 69 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में जिले के 70 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें प्री-मैट्रिक छात्रावास, पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास, खेल परिसर जावंगा तथा इंडोर स्टेडियम के खिलाड़ी शामिल थे।

जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में 33 स्वर्ण, 21 रजत एवं 15 कांस्य पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में राज्य के रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़, बालोद, भाटापारा, सारंगढ़, दंतेवाड़ा, जांजगीर-चांपा, अंबिकापुर, कांकेर, कोंडागांव तथा कोरबा सहित विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

जिले के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के पीछे प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास और छात्रावासों में उपलब्ध खेल सुविधाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जिला प्रशासन, खेल विभाग, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस शानदार प्रदर्शन से दंतेवाड़ा ने राज्य स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया तथा जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए नई प्रेरणा प्रस्तुत की।

# WI vs PAK: साजिद का 'चौका', पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज पहली पारी में 344 रन पर ऑलआउट

पाकिस्तान ने पोर्ट ऑफ स्पेन में जारी टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में सोमवार को वेस्टइंडीज को उसकी पहली पारी में 344 रन पर समेट दिया है। मेजबान टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज की अर्धशतकीय पारियों का अहम योगदान रहा। वहीं, पाकिस्तान की तरफ से साजिद खान ने सर्वाधिक 4 विकेट अपने नाम किए। फिलहाल मुकाबले के दूसरे दिन का खेल जारी है।

#### वेस्टइंडीज की खराब शुरुआत

क्वींस पार्क ओवल में खेले जा रहे इस मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टैगेनारिन चंद्रपॉल ने ब्रेंडन किंग के साथ पहले विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की। चंद्रपॉल 2 चौकों के साथ 15 रन बनाकर आउट हुए, जबकि ब्रैंडन किंग ने 9 चौकों के साथ 46 रन की पारी खेली।

कैरेबियन टीम ने 120 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। यहां से शाई होप ने जस्टिन ग्रीव्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 93 गेंदों में 53 रन जोड़कर टीम को 173 के स्कोर तक पहुंचाया। शाई होप 4 बाउंड्री के साथ 29 रन की पारी खेलकर पवेलियन लौटे।

#### रोस्टन चेज ने ग्रीव्स के साथ मिलकर मोर्चा संभाला

यहां से कप्तान रोस्टन चेज ने ग्रीव्स के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी हुई। ग्रीव्स ने 150 गेंदों में 73 रन बनाए। उनकी इस पारी में 9 चौके शामिल रहे। इसके बाद कप्तान ने केमार रोच (19) के साथ सातवें विकेट के लिए 35 रन जोड़े। रोस्टन चेज ने 126 गेंदों में 11 चौकों के साथ 70 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से साजिद खान ने 85 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद अली, उबैद शाह और अली उस्मान ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

तारोबा के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए सीरीज के पहले मैच में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के विरुद्ध 90 रन से जीत हासिल की थी। ऐसे में सीरीज का यह दूसरा और अंतिम मैच निर्णायक बन गया है, जिसे जीतकर मेजबान टीम 2-0 से क्लीन स्वीप करना चाहेगी।

# कला के माध्यम से अभिव्यक्ति एक बड़ा हुनर : वनमंत्री केदार कश्यप

**रायपुर।** बस्तर की सकारात्मक छवि, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य को रचनात्मक कला के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से सोमवार को जगदलपुर के एक निजी होटल में 'मुस्कुराता बस्तर' कार्टून कार्यशाला का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के सहयोग से देश की एकमात्र मासिक कार्टून पत्रिका 'कार्टून वॉच' द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में जिले के 10 विद्यालयों के 120 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अपनी भावनाओं और विचारों को कला के माध्यम से अभिव्यक्त करना भी एक विशेष हुनर है। उन्होंने कहा कि कार्टून और कैरिकेचर केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और विकास के सकारात्मक संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की सशक्त कला है।

इस अवसर पर महापौर श्री संजय पांडेय एवं एमआईसी सदस्य श्री संग्राम सिंह, स्कूलों के शिक्षक एवं विद्यार्थीगण भी उपस्थित रहे। बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा ने भी कार्यशाला में पहुंचकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यशाला में दिल्ली के वरिष्ठ कार्टूनिस्ट माधव जोशी और पुणे के प्रसिद्ध कैरिकेचर कलाकार शुभम जिंदे ने लाइव डेमो के माध्यम से विद्यार्थियों को कार्टून एवं कैरिकेचर निर्माण की तकनीकें सिखाईं। उन्होंने विद्यार्थियों को कला के सामाजिक महत्व, रचनात्मक संभावनाओं तथा रोजगार के अवसरों की भी जानकारी दी। गौरतबल है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर विकास, विश्वास और नई संभावनाओं के साथ नई पहचान बना रहा है।

# नशा जीवन को खोखला कर देता है: मंत्री लखनलाल देवांगन

**रायपुर।** शासकीय ई.वी.पी.जी. महाविद्यालय कोरबा में गत दिनो नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के शुभारंभ संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री ने देशभर के जेन-जी युवाओं से नशे से दूर रहने का संकल्प लेने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, वाणिज्य कर (आबकारी) एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि नशा जीवन को खोखला कर देता है। नशे की लत व्यक्ति की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बनती है। इससे न केवल व्यक्ति का भविष्य प्रभावित होता है, बल्कि उसका परिवार भी संकट में पड़ जाता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर संकल्प, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना वर्ष 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना है और इसमें युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने तथा अपने जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आग्रह किया। साथ ही महाविद्यालय से जुड़ी समस्याओं के निराकरण का भी आश्वासन दिया।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि नशे के कारण परिवार बिखर रहे हैं और अपराधों में वृद्धि हो रही है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहकर प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित सभी युवाओं को नशामुक्त जीवन का संकल्प भी दिलाया गया।

कार्यक्रम में नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान की जानकारी नोडल अधिकारी श्री सतीश प्रकाश सिंह ने दी। अतिथियों का पौध भेंट कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह कँवर, नगर निगम सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रतीक जैन, पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन, महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. बी.एल. साय, प्राध्यापकगण, जनप्रतिनिधि, एनएसएस के स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

# श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बीरपुर में की कांवड़ यात्रा और जलाभिषेक

**रायपुर।** राजवाड़े ने बीरपुर स्थित पासंग नाला से श्रद्धापूर्वक पवित्र जल ग्रहण कर कांवड़ यात्रा के साथ भगवान भोलेनाथ के मंदिर तक पदयात्रा की। मंदिर पहुंचकर उन्होंने सपरिवार भगवान शिव का जलाभिषेक, रुद्राभिषेक एवं विधिवत पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना करते हुए देवाधिदेव महादेव से समस्त छत्तीसगढ़ पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का पावन पर्व है, जो समाज में सकारात्मकता, सद्भाव और लोककल्याण की भावना को सुदृढ़ करता है।

# मां के दूध से स्वस्थ जीवन की मजबूत शुरुआत, प्रदेशभर में विश्व स्तनपान सप्ताह की शुरुआत

## जन्म के पहले घंटे में स्तनपान और पहले छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने पर विशेष जोर, स्वास्थ्य संस्थानों में जागरूकता गतिविधियां जारी

**रायपुर।** हर नवजात को जीवन की स्वस्थ और सुरक्षित शुरुआत मिले, इसी उद्देश्य के साथ प्रदेशभर में विश्व स्तनपान सप्ताह की शुरुआत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सप्ताहभर अस्पतालों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों तथा समुदाय स्तर पर विविध जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से माताओं, गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को स्तनपान के महत्व तथा उसके वैज्ञानिक लाभों की जानकारी दी जा रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि शिशु के जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना और पहले छह माह तक केवल मां का दूध पिलाना उसके स्वस्थ विकास की सबसे मजबूत नींव है। मां का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) शिशु के लिए प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करता है। यह संक्रमण से बचाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा कुपोषण के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छह माह तक केवल स्तनपान कराने के बाद शिशु को उम्र के अनुरूप ऊपरी आहार के साथ दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने की सलाह दी जाती है।

स्तनपान केवल शिशु के लिए ही नहीं, बल्कि मां के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। इससे प्रसव के बाद मां के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होता है, कुछ गंभीर बीमारियों का खतरा कम होता है तथा मां और शिशु के बीच भावनात्मक संबंध भी अधिक मजबूत बनता है।

विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती एवं धात्री माताओं की काउंसलिंग, समूह चर्चा, स्वास्थ्य शिक्षा सत्र, प्रश्नोत्तर कार्यक्रम तथा स्तनपान संबंधी व्यवहारिक मार्गदर्शन दिया जा रहा है। चिकित्सक, स्टाफ नर्स, एएनएम, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और अन्य स्वास्थ्यकर्मी माताओं को सही स्तनपान तकनीक, नवजात की देखभाल तथा स्तनपान से जुड़े सामान्य भ्रमों के वैज्ञानिक समाधान भी बता रहे हैं। स्तनपान को केवल मां की जिम्मेदारी न मानकर पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी समझें। परिवार का सहयोग, सकारात्मक वातावरण और सही जानकारी ही प्रत्येक नवजात को स्वस्थ जीवन की बेहतर शुरुआत दे सकती है।

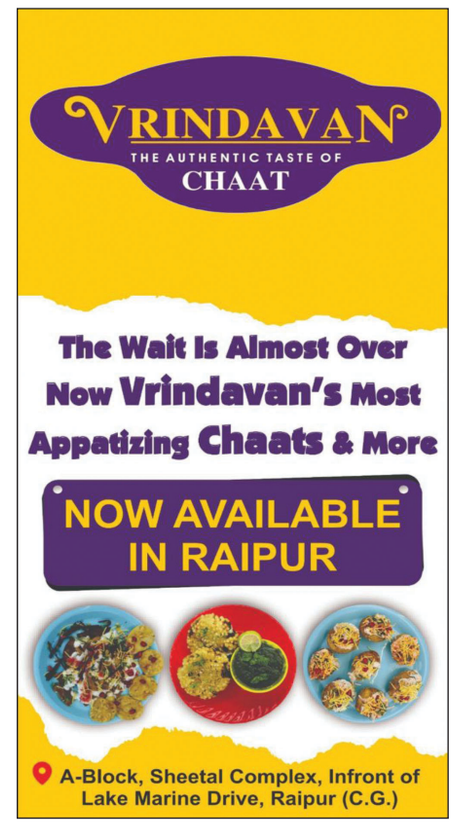

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684